bjpkamaljyoti@gmail.com www.up.bjp.org

संवत 2080 युगाब्द 5125 कुल पृष्ठ –32 मार्च प्रथम – 15

वर्तमान

कमल ज्योति

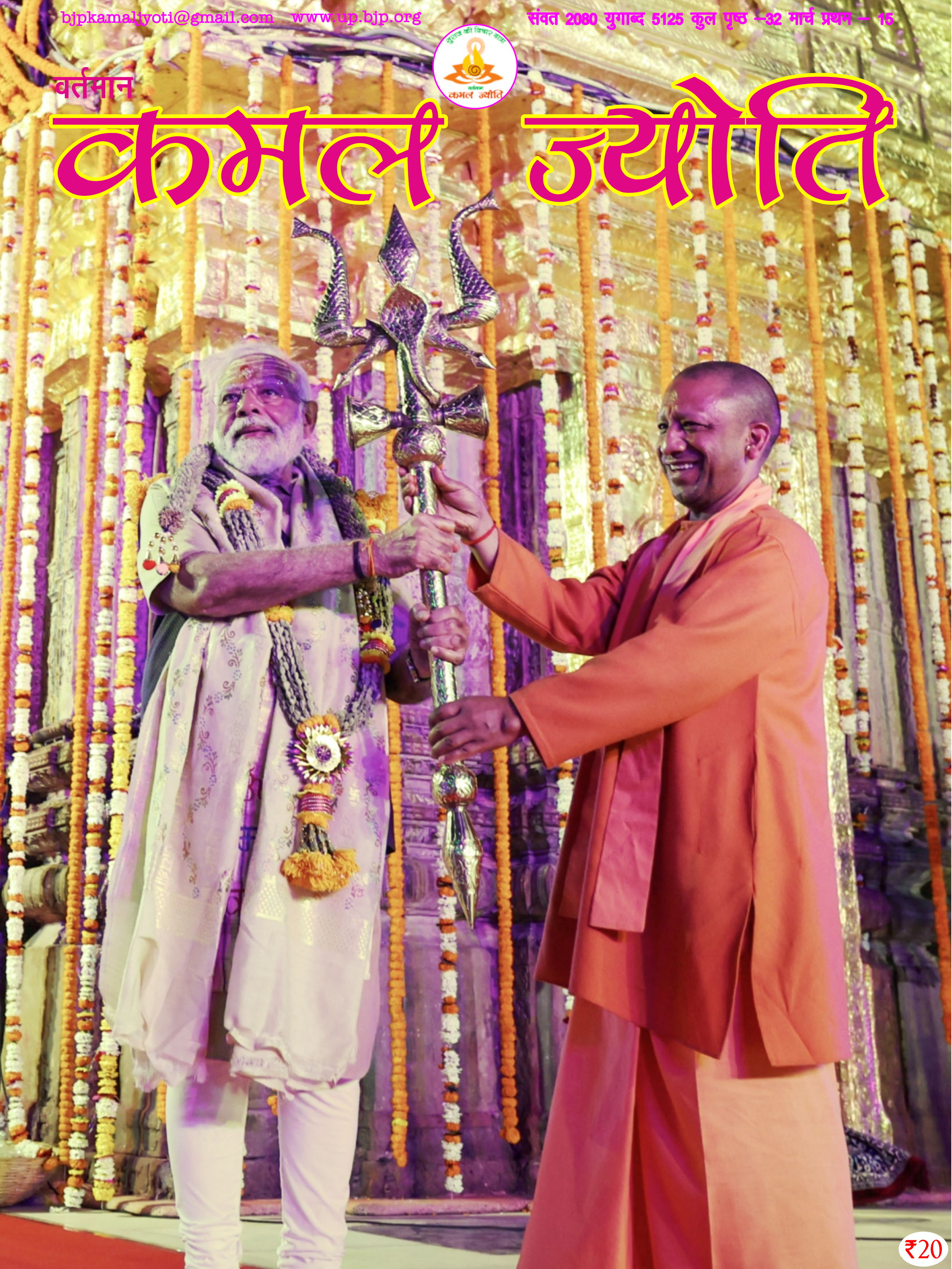

₹20

मोदी सरकार की गारंटी
भारतीय रेल का आधुनिकीकरण
Pradhan Mantri
Bhartiya Jan Aushadhi Kendra

विकसित भारत
मोदी की गारंटी

विकसित भारत
BJP

वर्तमान
कमल ज्योति

संरक्षक
श्री भूपेन्द्र सिंह
सम्पादक
अरुण कान्त त्रिपाठी
प्रबन्ध/कार्यकारी सम्पादक
राजकुमार
प्रकाशक
प्रो0 श्याम नन्दन सिंह
पृष्ठ संयोजक
ओम प्रकाश पंडित

कार्यालय

कमल ज्योति, 7–विधानसभा मार्ग
लखनऊ – 1
फोन :– 0522–2200187
फैक्स :– 0522–2612437

Email-
bjpkamaljyoti@gmail.com

पत्रिका में प्रकाशित आलेखों से सम्पादकीय सहमति अनिवार्य नहीं

मुद्रक
नूतन ऑफसेट मुद्रण केन्द्र, राजेन्द्र नगर, लखनऊ–4

www.up.bjp.org
bjpkamaljyoti
bjpkamaljyoti
@bjpkamaljyoti

होली की हार्दिक शुभकामनाएं

उत्तर प्रदेश में अर्थतंत्र की मजबूती...

योगी आदित्यनाथ की दूसरी बार की सरकार बनने के बाद डबल इंजन की सरकार द्वारा तेजी से कार्य शुरू किया गया। इसके सकारात्मक परिणाम भी मिलने लगे हैं। नरेंद्र मोदी की पिछली सरकार में निर्मला सीतारमण वित्त मंत्री ने योगी आदित्यनाथ के कार्यों की सराहना किया।

केन्द्रीय वित्त मंत्री ने कहा कि पूर्वी उत्तर प्रदेश में जितने भी प्रोजेक्ट शुरू हुए हैं, उनमें प्रधानमंत्री के साथ ही, मुख्यमंत्री एक वर्ष में हर जनपद में कम से कम एक बार और कई जनपदों में दो बार भी जाते हैं। सभी पचहत्तर जनपदों में कम से कम एक बार जाने वाले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हैं। वह प्रदेश के सभी जनपदों में यात्रा कर विकास कार्यो की निगरानी करते हैं, इसलिए ये एक गतिशील डायनमिक मुख्यमंत्री है। लखनऊ में इनका अप्वाइंटमेण्ट मिलना मुश्किल है। मुख्यमंत्री प्रत्येक जनपद को मुख्यालय मानकर डायनमिक तरीके से निरन्तर गतिशील रहते हुए उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य का शासन चला रहे हैं।

अब एक्सप्रेस वे यातायात का माध्यम मात्र नहीं है। बल्कि योगी ने इसे औद्योगिक विकास से जोड़ कर अभिनव कार्य किया है। विकास के जिन क्षेत्रों में योगी सरकार ने कीर्तिमान स्थापित किये हैं, उसमें कनेक्टिविटी भी शामिल है। नीति आयोग के माध्यम से राज्यों के बीच विकास की स्वस्थ प्रतिद्वंदिता प्रारंभ करने की कल्पना की गई थी। योगी सरकार ने इसे चरितार्थ किया। उन्हीं की तरह अनेक मुख्यमंत्री भी इस दिशा में बेहतर कार्य करने में सफल रहे। वहीं जिनको विकास की अपेक्षा वोटबैंक की सियासत ज्यादा पसंद थी, वह उसी में उलझे रहे। नीति आयोग की स्थापना विकास और सहयोगी संघवाद को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से की गई था। इसमें संदेह नहीं कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस लक्ष्य को बेहतर ढंग से समझा है। यही कारण है कि विकास के कई बिंदुओं पर उत्तर प्रदेश को शीर्ष पर पहुंचाने में सफल रहे हैं। देखा जाए तो नीति आयोग की अवधारणा पर योगी ने न केवल अमल किया बल्कि उसमें अपना सक्रिय योगदान भी दिया है। उन्होंने उत्तर प्रदेश के विकास को सर्वाधिक महत्व दिया। सुदृढ़ कानून व्यवस्था, निवेश की उत्तम सुविधाओं के कारण उत्तर प्रदेश में निवेश के सुनहरे अवसर मिलरहे हैं। जिसके कारण निवेशक निरन्तर प्रदेश में आ रहे हैं।

सम्पादकीय

पूर्व और पश्चिम फ्रंट कॉरिडोर प्रदेश से गुजर रहे हैं। इनका जंक्शन दादरी में है। इंफ्रास्ट्रक्चर और इंडस्ट्री में बड़ा निवेश हो रहा है।

इस डिफेंस इण्डस्ट्रियल कॉरिडोर में छह नोड्स विकसित किए जा रहे हैं। प्रदेश सरकार ने बुन्देलखण्ड क्षेत्र में पेयजल की समस्या के निदान के लिए हर घर नल योजना प्रारम्भ की है। पूर्व और पश्चिम फ्रंट कॉरिडोर प्रदेश से गुजर रहे हैं। इनका जंक्शन दादरी में है। इंफ्रास्ट्रक्चर और इंडस्ट्री में बड़ा निवेश हो रहा है।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश के मेरठ को प्रयागराज से जोड़ने के लिए पांच सौ पनचाबे किलोमीटर लम्बाई के देश के दूसरे सबसे बड़े एक्सप्रेस–वे के रूप में गंगा एक्सप्रेस–वे का निर्माण कराया जा रहा है।

गंगा एक्सप्रेस–वे के किनारों पर औद्योगिक क्लस्टर विकसित किए जाने की परियोजना की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह की परियोजनाओं के विकास के लिए राजनीतिक नेतृत्व की प्रतिबद्धता जरूरी होती है, जो मुख्यमंत्री में है। राज्य में गंगा एक्सप्रेस–वे सहित विभिन्न एक्सप्रेस–वे का निर्माण प्रधानमंत्री के वोकल फॉर लोकल के मंत्र के साथ ही, प्रदेश सरकार की 'एक जनपद एक उत्पाद' योजना को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ा है जिससे आत्मनिर्भर भारत का संकल्प साकार होने की दिशा में आगे बढ़ रहे है।

'मोदी की गारंटी'
महिलाओं की सुरक्षा, सुविधा और सशक्तिकरण'

लोकसभा चुनाव की आहट, प्रधानमंत्री अपनी गारंटी की बात करते हुए कहते हैं कि बीजेपी कैसे नारीशक्ति को विकसित भारत की शक्ति बना रहा है। 9 जनवरी को भाजपा ने देशभर में शक्तिवंदन अभियान शुरू किया था। इस दौरान देशभर में लाखों स्वयं सहायता समूहों से संवाद किया गया। और अब आज यहां पश्चिम बंगाल में, स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी बहनों का इतना विराट सम्मेलन हो रहा है। इस कार्यक्रम में देशभर से लाखों अन्य बहनें भी टेक्नोलॉजी के माध्यम से आज इस कार्यक्रम में हमारे साथ जुड़ी हुई हैं। जो दूर–दूर अपने गांव में टेक्नोलॉजी के माध्यम से इस कार्यक्रम में भागीदार हुई हैं मैं उन बहनों का भी और आप सभी का भी आपको वंदन करता हूं, आपका अभिनंदन करता हूं। मैं भारतीय जनता पार्टी की महिला मोर्चा की सभी इन बहनों को, आप सभी बहनों को आज बहुत–बहुत बधाई देना चाहता हूं, बहुत धन्यवाद करना चाहता हूं। मैंने सालों तक संगठन में काम किया है और इसीलिए मुझे पता है कि इतना बड़ा राष्ट्रीय स्तर का कार्यक्रम आर्गेनाइज करना हो, देशभर में 19–20 हजार स्थानों पर महिला समूह बैठ करके इस कार्यक्रम में जुड़े हों, ये हिंदुस्तान की सार्वजनिक जीवन की सबसे बड़ी घटना है। और इसलिए आप सब, और आप सब भी अनेक–अनेक अभिनंदन के अधिकारी हैं और आपने परंपराओं को भी तोड़ा है। पुरुषों की मैराथन तो सुना करते थे, लेकिन इस बार गांव–गांव हमारी माताएं–बहनें–बेटियां नारीशक्ति वंदन के लिए दौड़ लगा रही थी। पूरे आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रही थी। मैं उन छोटी–छोटी बेटियां दो दिन पहले स्कूटी पर पूरे देश में उन्होंने अपने ताकत का परिचय करा दिया।

तुष्टिकरण और निहित स्वार्थों के कारण टीएमसी सरकार बहन–बेटियों की सुरक्षा करने में विफल रहीः पीएम मोदी

यहां आने से पहले मैं कोलकाता में कार्यक्रम में था। वहां मैंने भारत सरकार की अनेक विकास परियोजनाओं का शुभारंभ किया। आज एक साथ, कोलकाता मेट्रो, पुणे मेट्रो, कोच्चि मेट्रो, आगरा मेट्रो और नमो भारत ट्रेन से जुड़े नए रूट्स का विस्तार हुआ है। देश के पब्लिक ट्रांसपोर्ट को आधुनिक बनाना, भारत सरकार की प्राथमिकता है। कोलकाता तो वो शहर है जिसकी मेट्रो को देखकर कितनी ही पीढ़ियां बड़ी हुई हैं। मैं बचपन में जब पहली बार कोलकाता आया तो एक आकर्षण था कि जरा मैं मेट्रो देखूं। लेकिन आज कोलकाता की मेट्रो इस बात की भी गवाह है कि बीजेपी सरकार कितनी तेजी से काम करती है। 2014 से पहले के 40 सालों में कोलकाता मेट्रो का सिर्फ 28 किलोमीटर रूट बना था। आपको आंकड़ा याद रहेगा मैं जो कह रहा हूं याद रहेगा३जरा आप बताएंगे तो पता चलेगा, याद रहेगा। 40 साल में 28 किलोमीटर–ओनली 28 किलोमीटर। जबकि बीजेपी सरकार के बीते 10 साल में कोलकाता मेट्रो का 31 किलोमीटर और विस्तार हो चुका है। ऐसे काम को देखते हुए ही, पूरा देश कह रहा है...पश्चिम बंगाल कह रहा है, हर माता–बहन कह रही है–

अबकी बार–400 पार

केंद्र सरकार में NDA की वापसी पक्की देखकर, इंडी अलायंस के सारे नेता बौखला गए हैं। उनकी नींद उड़ गई है, उन्होंने संतुलन खो दिया है। अब उन्होंने पूरी ताकत से मोदी को गाली देना शुरू कर दिया है। इंडी गठबंधन के भ्रष्टाचारी लोग आजकल मेरे परिवार के बारे में पूछ रहे हैं। ये लोग कह रहे हैं कि मोदी का खुद का परिवार ही नहीं है, इसलिए मैं परिवारवाद के खिलाफ बात कर करता हूं। ये लोग जानना चाहते हैं– कहां हैं मेरा परिवार? ओरा जानते चाए, मोदीर पोरिवार कोथाए ? इन घोर परिवारवादियों को आज यहां नज़र डालनी चाहिए। मेरे देश की ये बहनें, जो यहां बहुत बड़ी संख्या में आई हैं, जो देश के कोने–कोने से इस कार्यक्रम से जुड़ी हुई हैं– यही तो है मोदी का परिवार। यही तो है मोदी का परिवार। एटाई तो, आमार पोरिवार। बंगाल की हर माताएं–बहनें मेरा परिवार हैं। मोदी के शरीर का कण–कण और जीवन का पल–पल इसी परिवार के लिए, देश की मातृशक्ति के लिए समर्पित है। जब मोदी को कोई भी कष्ट होता है– तो यही माताएं–यही

बहनें–बेटियां कवच बनकर मोदी की रक्षा के लिए खड़ी हो जाती हैं। आज हर देशवासी खुद को मोदी का परिवार कह रहा है। आज देश का हर गरीब, हर किसान, हर नौजवान, हर बहन–बेटी कह रही है–मैं हूं मोदी का परिवार !

माताएं–बहनें, आज जब इतनी बड़ी तादाद में माताओं–बहनों के बीच आया हूं तो मैं जीवन का एक पहलू जिसके विषय में आमतौर पर मैं नहीं बोलता हूं। लेकिन आज जब माताएं–बहनें बैठी हैं, तो बोलने का मेरा मन कर जाता है। मैं पहले कभी नहीं बताता था लेकिन आज मन कर रहा है बता दूं। कुछ लोगों को लगता होगा कि किसी राजनेता ने मुझे गाली दी, और इसलिए मैं इन सबको मेरे परिवार मेरे परिवार कह रहा हूं। मैं सच्चाई बताना चाहता हूं। मैं बहुत छोटी आयु में घर छोड़ करके एक झोला लेकरके चल पड़ा था। परिव्राजक की तरह देश के कोने–कोने में भटक रहा था। कुछ खोज रहा था, मेरे जेब में कभी एक पैसा नहीं रहता था एक पैसा नहीं रहता था। लेकिन आपको जान करके और देशवासियों को जान करके गर्व होगा, मेरा देश कैसा है, मेरे देश की माताएं–बहनें कैसी हैं, मेरे देश का हर परिवार कैसा है। जेब में एक पैसा नहीं होता था। न भाषा जानता था। कंधे पर एक झोला लटकता था और मैं देखता था कोई न कोई परिवार, कोई मां–बाप, कोई बहन पता नहीं क्या कारण... वो मुझे पूछ लेते थे कि भाई, बेटे कुछ खाना–वाना खाए हो कि नहीं खाए हो। और मैं आज देशवासियों को बता रहा हूं सालों तक मैं परिव्राजक रहा हूं। कंधे पर झोला लेके घूमता रहा हूं। जेब में एक पैसा नहीं रहा, लेकिन मैं एक दिन भी भूखा नहीं रहा। और इसीलिए मैं कहता हूं यही मेरा परिवार है। 140 करोड़ देशवासी, ये मेरा परिवार। जब मेरी कोई जान नहीं, पहचान नहीं थी कंधे पर झोला लेके भटकता हुआ एक नौजवान३और समय देश के गरीब से गरीब परिवार ने जहां गया वहां मेरी चिंता की है। और इसलिए आज जब मैं गरीबों के लिए माताओं–बहनों के लिए जीजान से कुछ करने के लिए लगा हुआ हूं, समर्पित भाव से लगा हुआ हूं तो उसका कारण, मैं पूरे देश का वो परिवार–भाव महसूस किया था। आज मैं उसका कर्ज चुका रहा हूं। आपका कर्ज चुका रहा हूं। देश की कोटि–कोटि माताओं–बहनों का कर्ज चुका रहा हूं।

ये बांग्ला भूमि, नारीशक्ति की बहुत बड़ी प्रेरणा केंद्र रही है। यहां से नारीशक्ति ने देश को दिशा दी है। इस धरती ने मां शारदा, रानी रासमणि, भगिनी निवेदिता, सरला देवी, मातंगिनी हाज़रा, कल्पना दत्ता, प्रितिलता, बिना दास, नानीबाला देवी, अनगिनत– अनगिनत ऐसी अनेक शक्ति स्वरुपा देश को दी हैं। लेकिन इसी धरती पर TMC के राज में नारीशक्ति पर अत्याचार का घोर पाप हुआ है। मां–बोने देर शंगे अत्ताचार कोरे, टीएमसी घोर पाप कोरेछे। संदेशखाली में जो कुछ भी हुआ, उससे किसी का भी सिर शर्म से झुक जाएगा। लेकिन यहां की TMC सरकार को, आपके दुख से कोई फर्क नहीं पड़ता। TMC सरकार, बंगाल की महिलाओं के गुनहगार को बचाने के लिए पूरी शक्ति लगा रही है। लेकिन पहले हाईकोर्ट और फिर सुप्रीम कोर्ट से भी राज्य सरकार को झटका लगा है। गरीब, दलित, वंचित, आदिवासी परिवारों की बहनों–बेटियों के साथ TMC के नेता, जगह–जगह अत्याचार कर रहे हैं। लेकिन TMC सरकार को अपने अत्याचारी नेता पर भरोसा है, बांग्ला बहन–बेटियों पर भरोसा नहीं है। इस व्यवहार से बंगाल की महिलाएं, देश की महिलाएं आक्रोश में हैं। नारीशक्ति के आक्रोश का ये ज्वार संदेशखाली तक ही सीमित नहीं रहने वाला। संपूर्णो बांग्ला ते, संदेशखालीर झड़ उठबे ! मैं देख रहा हूं कि TMC के माफियाराज को ध्वस्त करने के लिए बंगाल की नारीशक्ति निकल चुकी है। संदेशखाली ने दिखाया है कि पश्चिम बंगाल की बहन–बेटियों की बुलंद आवाज़ सिर्फ और सिर्फ भाजपा ही है।

तुष्टिकरण और तोलाबाजों के दबाव में काम करने वाली TMC सरकार कभी भी बहन–बेटियों को सुरक्षा नहीं दे

सकती। वहीं दूसरी तरफ केंद्र की भाजपा सरकार है, जिसने बलात्कार, रेप जैसे संगीन अपराध के लिए फांसी की सज़ा तक की व्यवस्था की है। संकट के समय बहनें आसानी से शिकायत कर सकें, इसके लिए महिला हेल्पलाइन बनाई गई है। लेकिन TMC सरकार, इस व्यवस्था को यहां लागू नहीं होने दे रही है। ऐसी महिला विरोधी TMC सरकार, महिलाओं का कभी भला नहीं कर सकती।

भारत की नारीशक्ति, विकसित भारत की एक सशक्त स्तंभ है। भारत की नारीशक्ति की आर्थिक शक्ति बढ़े, इसके लिए बीते 10 वर्षों में बीजेपी सरकार ने लगातार काम किया है। जनधन योजना के तहत करोड़ों बहनों के बैंक खाते खोले हैं, जिनमें से करीब 3 करोड़ लाभार्थी बहनें अकेले हमारे पश्चिम बंगाल से हैं। इन 10 वर्षों में देश में सेल्फ हेल्प ग्रुप्स से जुड़ी महिलाओं की संख्या 10 करोड़ को पार कर गई है। इसमें पश्चिम बंगाल की भी आप जैसी एक करोड़ 25 लाख से ज्यादा बहनें हैं। हमने देश में 10 वर्षों में बहनों के इन समूहों को स्वरोजगार के लिए 8 लाख करोड़ रुपए की मदद बैंकों से दिलवाई है। बंगाल के सेल्फ हेल्प ग्रुप्स को भी करीब 90 हजार करोड़ रुपए की मदद मिली है। और मैं तो अब जिस प्रकार ये स्वयं सहायता समूह, ये महिला स्वयं सहायता समूह उनकी जो ताकत देख रहा हूं न, तो मैंने तो एक मीटिंग में कहा था ये सिर्फ महिला स्वयं सहायता समूह है ऐसा नहीं है, ये तो राष्ट्र सहायता समूह है। राष्ट्र सहायता समूह है। साथियों, इस राशि से बंगाल की महिलाओं ने कृषि क्षेत्र में, कुटीर उद्योग में, मछलीपालन में, शहद पालन में, हस्तशिल्प में, एक से बढ़कर एक काम किए हैं।

भाजपा सरकार का प्रयास, गांवों में रहने वाली आप जैसी बहनों को लखपति दीदी बनाने का है। हमने देश में 3 करोड़ बहनों को लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य रखा है। आप कल्पना कर सकते हैं, जब गांव–गांव में अनेकों लखपति दीदी होगी तो उस गांव की तस्वीर और तकदीर कैसे बदल जाएगी। अभी तक देशभर में 1 करोड़ से ज्यादा लखपति दीदी बनाने में हम सफल हो चुके हैं। और मुझे खुशी है कि भारत सरकार के इन प्रयत्नों से बंगाल में भी 16 लाख से अधिक महिलाएं... लखपति दीदी बन चुकी हैं।

मुद्रा योजना से बिना गारंटी का ऋण लेकर अपना बिजनेस शुरू करने वाले लाभार्थियों में भी सबसे अधिक हमारी माताएं–बहनें बेटियां हैं। इस योजना के तहत, सवा लाख करोड़ रुपए से अधिक सिर्फ पश्चिम बंगाल की बहनों को मिले हैं। मैं देशभर की बात नहीं कर रहा हूं। सिर्फ पश्चिम बंगाल में। पीएम किसान सम्मान निधि से भी देश की लगभग 3 करोड़ महिला किसानों को पहली बार पैसा मिला है। यहां बहुत बड़ी संख्या में हमारी बहनें, कारीगर हैं, हस्तकला से जुड़ी हैं। जूट

की टोकरी बनाने वालीं...मछली का जाल बुनने वालीं, कपड़े की सिलाई, कपड़े की धुलाई, खिलौने–मालाएं ये बनाने वालीं, ऐसे अनेक कामों से जुड़ी बहनों के लिए हम पीएम विश्वकर्मा योजना लाए हैं। इस योजना पर भी 13 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा खर्च किए जा रहे हैं।

भारत की नारीशक्ति, विकसित भारत की एक सशक्त स्तंभ है। भारत की नारीशक्ति की आर्थिक शक्ति बढ़े, इसके लिए बीते 10 वर्षों में बीजेपी सरकार ने लगातार काम किया है।

बीजेपी सरकार महिलाओं के लिए एक और बहुत बड़ी योजना लेकर आई है। मोदी ने गांव की बहनों के लिए नमो ड्रोन दीदी योजना शुरू की है। इससे बहनों को ड्रोन पायलट की ट्रेनिंग दी जा रही है। इन बहनों को भाजपा सरकार ड्रोन देगी, जो खेती के काम आएंगे। इससे खेती भी आधुनिक होगी और बहनों को इससे अतिरिक्त कमाई भी होगी।

भाजपा के इन प्रयासों के बीच, इंडी अलायंस क्या कर रहा है, ये भी देश को जानना जरूरी है। केंद्र की भाजपा सरकार

बहन–बेटियों के हित में जो भी प्रोग्राम बनाती है, इंडी गठबंधन की राज्य सरकारें उस पर ब्रेक लगा देती हैं। हमने बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ अभियान चलाया, तो देश में लाखों बेटियों का जीवन बचा। लेकिन यहां TMC सरकार ने कभी बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान को बंगाल में लागू नहीं होने दिया। हमने देश में 10 करोड़ बहनों को उज्जवला के तहत मुफ्त गैस कनेक्शन दिया, हम सस्ते सिलेंडर दे रहे हैं। लेकिन बंगाल में आज भी उज्जवला कनेक्शन के लिए 14 लाख से ज्यादा एप्लीकेशन्स TMC सरकार के पास पेंडिंग पड़ी हैं। मोदी, हर घर तक नल से जल पहुंचाने में जुटा है। लेकिन जहां–जहां इंडी गठबंधन की सरकारें हैं, वहां ये लोग उस काम में भी रोड़े अटका रहे हैं, गति धीमी कर रहे हैं।

भाजपा सरकार, बहन–बेटियों की छोटी–छोटी समस्याओं को दूर करने में जुटी है। हमने जीवन चक्र के हर पड़ाव को ध्यान में रखते हुए नारी हित के लिए योजनाएं बनाई हैं, अभियान चलाए हैं। हमने गांव–गरीब परिवार की बहन–बेटियों को पहली बार सस्ते सेनिटेरी पैड्स देने की योजना बनाई। पहले गर्भ के दौरान माता और शिशु की मृत्यु बहुत बड़ी चिंता थी। बीजेपी ने मुफ्त टीकाकरण और गर्भ के समय 5 हज़ार रुपए की मदद गर्भवती महिलाओं को देने की योजना बनाई। हमने आशा और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को भी 5 लाख रुपए तक का मुफ्त इलाज देने का फैसला लिया। पहले टॉयलेट के अभाव में आप बहनों–बेटियों को कितनी पीड़ा और अपमान सहना पड़ता था। भाजपा सरकार ने घर हो या स्कूल, हर जगह बेटियों के लिए टॉयलेट्स का निर्माण किया। गरीबों को जो पक्के घर दिए जा रहे हैं, उनकी रजिस्ट्री भी बहनों के नाम की जा रही है। यहां बंगाल में भी पीएम आवास योजना के लगभग 24 लाख घर, महिलाओं के भी नाम पर है। आज ऐसे हर घर की कीमत कई–कई लाख रुपए है।

महिलाओं की सुरक्षा, सुविधा और सशक्तिकरण – ये मोदी की गारंटी है। आज देश की पहली नागरिक, हमारी राष्ट्रपति जी, आदिवासी समाज में पैदा हुई एक बेटी है। मोदी ने बहन–बेटियों को लोकसभा और विधानसभा में आरक्षण की गारंटी दी थी। वो पूरी हो चुकी है। मोदी ने मुस्लिम बहनों को, तीन तलाक की कुरीति से मुक्ति की गारंटी भी दी थी। ये गारंटी भी आपके आशीर्वाद से मोदी ने पूरी की। और याद करिए, तब टीएमसी, लेफ्ट और कांग्रेस का रुख क्या था? इंडी गठबंधन के ये लोग तब भी कट्टरपंथियों के साथ खड़े थे और आज भी उनके साथ हैं।

भाजपा सरकार के प्रयास से आज देश के हर सेक्टर में महिलाओं के लिए नए रास्ते बन रहे हैं। लेकिन आपको याद रखना है। बंगाल पर TMC नाम का जो ग्रहण लगा हुआ है, वो इस राज्य के विकास को आगे नहीं बढ़ने दे रहा है। इसलिए आप सभी बहनों को इंडी गठबंधन को हराना है, नारी वंदन का इतना बड़ा भव्य समारोह, नारी के सम्मान में, कमल के सम्मान में मेरी सब माताओं–बहनों से आग्रह है, आपसे भी आग्रह है अपना मोबाइल फोन निकालिए। अपने मोबाइल फोन की फ्लैश लाइट चालू कीजिए। जिस–जिस के पास मोबाइल फोन है सब अपना मोबाइल फोन निकाल करके फ्लैश लाइट चालू कीजिए। शाबाश! सबके मोबाइल की फ्लैश लाइट चालू हो, सबके मोबाइल की फ्लैश लाइट। ये नारी सम्मान में है, ये नारी सम्मान में है। ये नारी वंदन के लिए है, ये नारीशक्ति के उज्ज्वल भविष्य के लिए है। ये मां भारती के उज्ज्वल भविष्य के लिए है। ये देश की नारीशक्ति के सामर्थ्य का परिचय है। और इसीलिए आज नारीशक्ति पूरे देश को अपने सामर्थ्य का परिचय दे रही है।

सबका साथ, सबका विकास, सबका प्रयास

अनुसूचित जाति महासम्मेलन, आगरा

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने आगरा के कोठी मीना बाजारी में आयोजित विशाल **"अनुसूचित जाति महासम्मेलन"** को संबोधित किया और अनुसूचित जाति के कल्याण हेतु श्री नरेन्द्र मोदी सरकार द्वारा उठाये गए क़दमों पर विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि हमारी सरकार का मंत्र ही है – सबका साथ, सबका विकास, सबका प्रयास और सबका विश्वास। कार्यक्रम के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ, भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री लाल सिंह आर्या, उत्तर प्रदेश भाजपा प्रभारी श्री बैजयंत जय पांडा, संगठक श्री वी सतीश, भाजपा केंद्रीय चुनाव समिति के सदस्य श्री सत्यनारायण जटिया, राष्ट्रीय महामंत्री श्री तरुण चुघ, केंद्रीय मंत्री श्री एस पी सिंह बघेल, सांसद श्री कौशल किशोर, मध्य प्रदेश के उप–मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा एवं पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेता व पदाधिकारी उपस्थित रहे।

श्री नड्डा ने कहा कि कांग्रेस ने अनुसूचित जाति के लोगों के कल्याण के लिए कुछ नहीं किया, उन्हें केवल वोट बैंक के रूप में देखा। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने अंत्योदय की भावना को आगे बढ़ाते हुए, सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के संकल्प को आगे बढ़ाया। कांग्रेस ने कभी देश के पीड़ित, दलित, शोषित और वंचितों की चिंता नहीं की। यहां तक कि कांग्रेस ने बाबा साहब अंबेडकर को भी इतिहास के स्वर्णिम पन्नों से दरकिनार करने का प्रयास भी किया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में अनुसूचित जाति के लिए कई कल्याण कार्य किए जा रहें हैं। आजादी के बाद लंबे समय तक कांग्रेस पार्टी ने देश में शासन किया, लेकिन दलित और अनुसूचित जाति को मानवता की दृष्टि से देखना का प्रयास नहीं किया। कांग्रेस ने हमेशा दलित और अनुसूचित जाति को केवल वोट बैंक के रूप में ही देखा। कांग्रेस ने येन केन प्रकारेण दलित और अनुसूचित जाति को समाज से अलग रखने का प्रयास किया और सत्ता को पाने के लिए इन्हें अपना उपकरण बनाया। सत्ता में न रहने के बाद भी जनसंघ के रूप में अपने शुरुआत के समय से ही भाजपा का मानना था कि जब तक समाज के अंतिम छोर पर खड़े लोगों का कल्याण नहीं होगा तब तक देश प्रगति नहीं कर पाएगा। जब तक दलितों, पीड़ितों, वंचितों और शोषितों को आगे नहीं लाया जाएगा और समान अधिकार नहीं दिया जाएगा, तब तक समाज आगे नहीं बढ़ सकता। इसलिए भारतीय जनता पार्टी ने अंत्योदय कार्यक्रम की शुरुआत की। कांग्रेस पूछा करती थी कि अंत्योदय के क्या अर्थ है? तब भाजपा ने जवाब दिया था कि

जब अंत का उदय होगा, तभी भारत का उदय होगा और तभी समाज आगे बढ़ेगा।

श्री नड्डा ने कहा कि श्री नरेन्द्र मोदी जी ने इसी अंत्योदय की भावना से प्रेरित होकर, सबका साथ, सबका विकास, सबका साथ और सबका प्रयास के संकल्प के साथ देश को आगे बढ़ाने का काम किया। कांग्रेस की सोच हमेशा ही देश को खंडित करने की रही, परंतु भारतीय जनसंघ और भारतीय जनता पार्टी हमेशा ही सबको समाहित करने की योजनाओं पर बल दिया। सबको समाहित करते हुए देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने GYAN के विकास और सशक्तिकरण के लिए कार्य करना शुरू किया। जब देश में गरीब तथा युवाओं की चिंता की जाएगी और किसान तथा नारी का सम्मान होगा, तो पूरा समाज और देश आगे बढ़ सकेगा।

श्री जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि बाबा साहब के पंचतीर्थ की चिंता कांग्रेस क्यों नहीं की। कांग्रेस ने देश के संविधान निर्माता बाबा भीमराव अंबेडकर की उपेक्षा और उपहास कर, उन्हें दरकिनार करने का काम किया। कांग्रेस ने हमेशा बाबा साहब के देश के प्रति योगदान को कम आंकने का प्रयास किया। संविधान सभा के अध्यक्ष रहे बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर के संविधान सभा के लिए चुने जाने का कांग्रेस पार्टी ने विरोध किया था। यह घटना इतिहास में दर्ज है कि मुंबई से संविधान सभा के चुनाव में कांग्रेस पार्टी ने बाबा साहब भीमराव अंबेडकर को हराया था और उन्हे बंगाल जाकर चुनाव लड़ना पड़ा। यह भी सत्य है कि भारतरत्न भीमराव अंबेडकर को कांग्रेस पार्टी के समय में संसद के अंदर उनकी तस्वीर लगाने के लिए भी जगह नहीं दी गई थी। वहीं जनता दल की सरकार के सत्ता में आने के बाद ससम्मान संविधान के निर्माता भीमराव अंबेडकर की तस्वीर संसद में लगाई गई थी। इतना ही नहीं, पं जवाहरलाल नेहरू ने स्वयं को भारतरत्न दिया, इंदिरा गांधी ने भी स्वयं को भारतरत्न दिया, लेकिन बाबा साहब भीमराव अंबेडकर को भारतरत्न नहीं दिया। जब भारतीय जनता पार्टी के समर्थन से जनता दल की सरकार बनी, तब जाकर बाबा साहब को भारत रत्न तब दिया गया।

कांग्रेस पार्टी वर्षों तक दलितों को गुमराह करती रही है। लेकिन आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने हमेशा ही दलितों और पिछड़ों की भलाई के लिए काम किया है। आज केंद्र सरकार में 12 मंत्री दलित समुदाय से आते है। उन्होंने कहा कि श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी की सरकार के दौरान पहली बार लोकसभा का अध्यक्ष दलित समुदाय से चुना गया था। साथ भारत के पूर्व राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद भी आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के कार्यकाल के दौरान ही राष्ट्रपति बने थे। पहली बार अनुसूचित जनजाति समुदाय से आने वाली महिला हमारी राष्ट्रपति बनी। श्री नड्डा ने कहा कि आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा केवल नारों में विश्वास नहीं रखती है बल्कि सही मायने में दलितों की तकदीर और तस्वीर बदलने में विश्वास रखती है जिसको जनहितैषी योजनाओं के माध्यम से आत्मसात करने की कोशिश की जा रही है।

श्री नड्डा ने आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के कुशल नेतृत्व में चलाई जा रही योजनाओं का बखान करते हुए कहा कि यह योजनाएं आर्थिक दृष्टि के बिना नहीं चल सकती हैं। उन्होंने कहा कि आज आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में अनुसूचित जाति की दृष्टि से

सामाजिक न्याय मंत्रालय का बजट 90% बढ़ा दिया गया है। साथ ही अनुसूचित जाति अभ्युदय योजना के तहत 31000 गांव में 35.5 लाख लोगों के जीवन शैली को सुधारने की दृष्टि से काम किया जा रहा है। इसी कड़ी में आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में पिछड़ी जातियों के लिए चलाई जा रही योजनाओं के बारे बताते हुए श्री नड्डा ने कहा कि सबसे पहला विषय शिक्षा का आता है। प्रधानमंत्री जी ने दसवीं से पहले और उच्च शिक्षा में भी छात्रवृत्ति में वृद्धि की है। साथ ही छात्रों के रहने के लिए भी बाबू जगजीवन राम छात्रावास योजना लगभग 173 करोड़ रुपए खर्च कर के लगभग 16 हजार बच्चों के लिए छात्रावास बनाया है। अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों के लिए कोचिंग सेंटर खोले गए जिसमें लगभग 20 हजार विद्यार्थी प्रति वर्ष इसका लाभ ले सकते हैं। उन्होंने बताया कि मुद्रा योजना में अनुसूचित जाति के लोगों की संख्या 18% से ज्यादा है। श्री नड्डा ने कहा की राष्ट्रीय स्तर पर प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत 12 करोड़ किसानों को इसका लाभ मिल रहा है जिसमें करीब 1.2 करोड़ किसान अनुसूचित जाति से आते हैं जिन्हे इस योजना का लाभ मिल रहा है। साथ ही उन्होंने बताया कि आज 25 करोड़ लोग गरीबी की रेखा से ऊपर उठ गए हैं और सबका साथ, सबका विश्वास, सबका प्रयास के तहत ही यह हासिल हो पाया है।

श्री नड्डा ने धारा 370 के मुद्दे पर कहा कि जहां जम्मू कश्मीर में अनुसूचित जाति के लोगों को आरक्षण नहीं दिया जाता था उनको अब आरक्षण दिया जा रहा है और अब वे लोग भी सरकारी नौकरी के लिए आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि धारा 370 हटने से पहले जम्मू कश्मीर में कोई अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित सीट नहीं थी लेकिन अब जब भी विधानसभा चुनाव में उनके लिए भी सीट आरक्षित की गई है। जो कि जम्मू कश्मीर में आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की मेहनत, परिवर्तन और देश की एकता और अखंडता का सटीक उदाहरण है।

श्री जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में आर्थिक रूप से कमजोर लोगों के मुख्यधारा में जोड़ने के लिए सामूहिक विवाह के योजना के लिए 600 करोड़ रुपए का प्रस्ताव रखा।

आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में देश तेजी से विकास के पथ पर अग्रसर तो हो ही रहा है लेकिन साथ ही ये भी सुनिश्चित किया जा रहा है भाजपा सरकार की योजनाओं का लाभ धरातल पर मौजूद ग्रामीण, गरीब, वंचित, पीड़ित, शोषित, दलित, महिला, युवा और किसान सहित हर व्यक्ति तक पहुंचे। इसीलिए प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना और प्रधानमंत्री आवास योजना सहित सभी योजनाएं भारत के आम आदमी को मुख्यधारा में लाते हुए सशक्त कर रही हैं। आज आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारतीय अर्थव्यस्था विश्व में 11वें स्थान पायदान से उठकर पांचवें पायदान पर आ गई है। 2024 में पुनः श्री नरेन्द्र मोदी जी के प्रधानमंत्री बनने पर भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगी। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के सफल कार्यान्वयन के कारण आज 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आ गए हैं।

श्री नड्डा ने इंडी गठबंधन पर करारा प्रहार करते हुए कहा कि कांग्रेस सहित इंडी गठबंधन के सभी दलों को देश की गरीब जनता की कोई चिंता नहीं है, इन्हें तो बस अपने परिवार को बचाने की चिंता है। जम्मू कश्मीर में फारुख अब्दुल्ला, पंजाब में प्रकाश सिंह बादल, उत्तर प्रदेश मं अखिलेश यादव से लेकर बंगाल में ममता बनर्जी, तेलंगाना में केसीआर, तमिलनाडु में एम के स्टालिन तक इंडी गठबंधन के सभी नेता अपने परिवार की पार्टी चला रहे हैं। इसके अलावा राहुल गांधी, अखिलेश यादव, लालू प्रसाद यादव और केसीआर सहित विपक्ष के तमाम नेता भ्रष्टाचार में लिप्त हैं और इन सभी पर कानूनी मामले चल रहे हैं। भ्रष्टाचार के खिलाफ आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा चलाई गई मुहिम से बचने के लिए इकट्ठे हुए इन दलों के नेता या तो बेल पर हैं या जेल में है। अरविंद केजरीवाल के उपमुख्यमंत्री जेल में हैं और वे खुद प्रवर्तन निदेशालय के समन से बच रहे हैं। अंत में श्री नड्डा ने उत्तर प्रदेश की जनता से देश में पुनः कमल खिलाकर पूरे भारत को विकास के पथ पर अग्रसर करने और मुख्यधारा से जोड़ने में अपना योगदान देने का निवेदन किया।

‘‘मोदी है तो मुमकिन है’’

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने कर्नाटक के बेलगावी स्थित जिरगे ऑडिटोरियम में आयोजित प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन को संबोधित किया और उनसे भाजपा एवं कांग्रेस की सरकारों में हुए कामकाज का तुलनात्मक अध्ययन करने का आह्वान करते हुए आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में राष्ट्र के नवनिर्माण में अपना योगदान देने की अपील की। इस कार्यक्रम में कर्नाटक प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री विजयेंद्र येदियुरप्पा, प्रदेश भाजपा प्रभारी एवं पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव श्री राधामोहन दास अग्रवाल, केंद्रीय मंत्री श्री प्रह्लाद जोशी, कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री श्री बसवराज बोम्मई सहित पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पदाधिकारी उपस्थित थे। श्री नड्डा ने आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में चलाई जा रही परिवर्तनकारी नीतियों को रेखांकित करते हुए बताया कि विगत 10 वर्षों में देश ने हर क्षेत्र में सफलता के नए आयाम स्थापित किये हैं। भारत में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश में भी वृद्धि दर्ज की गई है और बुनियादी ढांचे, विनिर्माण और निर्यात में सुधार हुआ है।

श्री नड्डा ने कहा कि प्रबुद्ध वर्ग के लोगों की सोच का समाज पर व्यापक प्रभाव पड़ता है। उन्होंने भारतीय राजनीति में ऐतिहासिक प्रवृत्ति पर प्रकाश डाला, जिसकी विशेषता यह धारणा है कि आज समाज के सभी वर्ग को बराबर प्रतिनिधित्व मिल रहा है। पहले देश में ये सोच बन गई थी कि ‘देश में कुछ भी नहीं बदलने वाला’ जबकि श्री नरेन्द्र मोदी सरकार के 10 वर्षों में लोगों की ये धारणा बनी है कि ‘मोदी है तो मुमकिन है’। माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष ने जाति और क्षेत्रीय संयोजन की प्रचलित राजनीति की आलोचना की, जो सभी वर्गों से वोट हासिल करने पर केंद्रित थी लेकिन एक विशिष्ट समूह या जाति के हितों को प्राथमिकता देती थी। उन्होंने कहा कि आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने इस राजनीतिक संस्कृति को चुनौती दी है और इसे रिपोर्ट कार्ड की संस्कृति में बदल दिया है। पहले, राजनीति तुष्टीकरण और जातिवाद के इर्द–गिर्द घूमती थी, लेकिन अब ध्यान **‘किसी का तुष्टिकरण नहीं, सबका साथ–सबका विकास’** पर है। आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व और **‘सबका साथ, सबका विकास’** के मंत्र के तहत, सरकार प्रदर्शन, जवाबदेही, विकास और आकांक्षाओं को पूरा करने की राजनीति की ओर स्थानांतरित हो गई है।

भारतमाला परियोजना के अंतर्गत 614 किमी का हाइवे बनाया है, शिवमोंगा में नया हवाई अड्डा बनाया और बेलगावी को हवाई अड्डे की सौगात दी। हर वर्ग में विकास की धारा बहाकर आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने कर्नाटक को मुख्यधारा में रखा है।

श्री नड्डा ने कांग्रेस की सरकार के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों पर विस्तार से चर्चा की जहां सड़क और बिजली सहित बुनियादी ढांचे का पर्याप्त अभाव था। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदृष्टिपूर्ण नेतृत्व में अब 6 लाख से अधिक गांवों को सड़क, पानी और बिजली जैसी आवश्यक सुविधाओं से जोड़ा जा चुका है। श्री नड्डा ने रेखांकित किया कि 2014 में 18,000 से अधिक गांवों में बिजली नहीं थी जबकि आदरणीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 1,000 दिनों के भीतर हर गांव में बिजली पहुंचाई। **‘जल जीवन मिशन’** के तहत करीब 11.5 करोड़ से अधिक लोगों को पानी का कनेक्शन प्रदान किया गया है। श्री नड्डा ने इस बात पर प्रकाश डाला कि स्वच्छ भारत मिशन के तहत, 12 करोड़ से अधिक शौचालय बने हैं और महिलाओं को सम्मानजनक जीवन जीने का अधिकार मिला है।

उज्ज्वला योजना के तहत लगभग 11 करोड़ लोगों को गैस सिलेंडर मिले हैं जिससे मातृशक्ति को सम्मान भी मिला है। उन्होंने कहा कि अंग्रेजों को . पछाड़ते हुए देश की अर्थव्यवस्था 11वें स्थान से आगे बढ़ते हुए 5वीं सबसे बड़ी . अर्थव्यवस्था बन गई है और इस बार 2024 में आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के तीसरे कार्यकाल में 2028 तक

भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। श्री जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि मॉर्गन स्टेनली की रिपोर्ट के अनुसार, भारत की अर्थव्यवस्था एक सकारात्मक पहलू के रूप में सामने आती है, फिर भी गांधी परिवार देश की उपलब्धियों और प्रगति को स्वीकार नहीं कर पा रहा है। गांधी परिवार द्वारा बेरोजगारी को लेकर लगातार चिंता जताने के बावजूद उनके परिवार के सदस्य खुद बेरोजगार नजर आ रहे हैं। कोविड–19 और यूक्रेन–इज़राइल युद्ध से उत्पन्न वैश्विक आर्थिक चुनौतियों के बावजूद, आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने भारतीय अर्थव्यवस्था की स्थिरता सुनिश्चित की है। अन्य देशों के साथ तुलना करते हुए, श्री नड्डा ने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत की अर्थव्यवस्था सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था है, जिसकी विकास दर 6.3% है। इसके अलावा, भारत का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश दोगुना हो गया है, जो 304 बिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 615 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया है। रेलवे बजट 8.5 गुना बढ़ गया है, रेलवे ट्रैक नेटवर्क तीन गुना हो गया है, और रेलवे विद्युतीकरण 10 गुना बढ़ गया है।

श्री नड्डा ने कहा 2014 में मात्र 5 शहरों में मेट्रो कनेक्टिविटी थी आज 27 शहर मेट्रो से जुड़ गए हैं। राष्ट्रीय राजमार्गों की लंबाई 60 प्रतिशत से अधिक बढ़ चुकी है, एविएशन में भारत तीसरा सबसे बड़ा घरेलू बाजार बन गया है। 2014 में 92 प्रतिशत मोबाइल मेड इन चाइना हुआ करते थे लेकिन आज 97 प्रतिशत से अधिक मोबाइल का निर्माण भारत में हो रहा है। आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत स्टार्टअप में दूसरे स्थान पर आ गया है। भारत का फार्मास्यूटिकल निर्यात 126 प्रतिशत, रक्षा निर्यात 133 प्रतिशत, कृषि व्यय 5 गुना और खाद्य उत्पादन 1.25 प्रतिशत, एमएसपी का भुगतान 2.7 प्रतिशत और स्वास्थ्य बजट आवंटन 2.3 प्रतिशत बढ़ गया है। 23 एम्स बन गए हैं, मेडिकल कॉलेज की संख्या 641 से बढ़कर 1341 तक, मेडिकल सीट की संख्या 82 हजार से बढ़कर 1 लाख 75 हजार तक पहुंच गई है। आत्मनिर्भर भारत के अंतर्गत विनिर्माण सेक्टर में तीसरी तिमाही में 11.6 प्रतिशत की बढोतरी हुई है। भारतीय स्टॉक मार्केट हांगकांग को पछाड़ कर विश्व का सातवां सबसे बड़ा स्टॉक मार्केट बन गया है। आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा ने 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है। पिछले पांच वर्षों में केन्द्र की ओर से कर्नाटक के लिए बजट आवंटन 275 प्रतिशत बढ़कर 5 लाख 41 हजार 341 करोड़ रुपए का हुआ है। कर्नाटक के बुनियादी ढ़ांचे को बेहतर बनाने के लिए केन्द्र सरकार ने रेलवे में 30 हजार करोड़ रुपए का निवेश किया है, 8 हजार करोड़ रुपए की लागत से बेंगलुरू–मैसूर हाइवे बनाया है, 15767 करोड़ रुपए का सबअर्बन प्रोजेक्ट पास किया है, भारतमाला परियोजना के अंतर्गत 614 किमी का हाइवे बनाया है, शिवमोंगा में नया हवाई अड्डा बनाया और बेलगावी को हवाई अड्डे की सौगात दी। हर वर्ग में विकास की धारा बहाकर आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने कर्नाटक को मुख्यधारा में रखा है।

विपक्षी गठबंधन का एक ही एजेंडा है, परिवार बचाओ और भ्रष्टाचार के आरोपों से बचने के लिए गठबंधन बनाओ। इंडी अलायंस के सारे नेता या तो बेल पर हैं, या जेल में हैं।

आदरणीय राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा आज भारत वैश्विक स्तर पर

हर फोरम के साथ मिलकर काम ही नहीं कर रहा है बल्कि नेतृत्व करने की क्षमता प्रदर्शित कर रहा है। जी 20 का आदरणीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल में सफल आयोजन हुआ जिसमें अफ्रीकी देशों को स्थाई सदस्य बनाने का प्रस्ताव पारित हुआ। पूरे विश्व में जब कोरोना महामारी का प्रकोप आया तो पूरा विश्व इस असमंजस में था कि लॉकडाउन लगाया जाए या नहीं, लेकिन माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने कहा 'जान है तो जहान है' और लॉकडाउन लगाकर देश को कोरोना से लड़ने के लिए तैयार किया। श्री नड्डा ने कहा कि विपक्ष के नेता जनता को गुमराह करके कोरोना का टीका लगवाने से रोकने का प्रयास करते थे, मगर स्वयं चुपचाप लगवा लिया करते थे। केजरीवाल, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी कहा करते थे की विदेशी टीका सुरकक्षित है, मगर यह देश का बनाया हुआ टीका नहीं। मगर माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने देशवासियों को 220 करोड़ टीके लगाकर, देश को कोरोना से सुरक्षित करने का कार्य किया। भारत ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर करीब 100 देशों को कोरोना की 30 हजार डोज मुहैया कराए। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत की छवि में अभूतपूर्व सुधार हुआ है।

श्री नड्डा ने कहा कि आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने यूक्रेन, अफगानिस्तान, यमन से केवल भारत के नागरिकों को नहीं बल्कि अन्य देशों के नागरिकों को भी वापस लाने में अग्रणी भूमिका निभाई। पहले अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर जब भी सभी देश, इंडिया और पाकिस्तान का नाम साथ लिया करते थे, मगर जबसे मोदी जी प्रधानमंत्री बने हैं, भारत और पाकिस्तान को अलग–अलग संबोधित किया जाता है। आज भारत को विश्व के बड़े देश ग्लोबल लीडर के रूप में देख रहें हैं। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत बदल गया है और विकसित भारत की आकांक्षा को लेकर आगे बढ़ रहा है।

माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि कर्नाटक में कांग्रेस के राज्यसभा सांसद के जीतने पर पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाए गए। उन्होंने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से सवाल किया कि कर्नाटक की धरती के पुत्र होते हुए, खड़गे जी इसपर मौन धारण क्यों किए हुए हैं? कांग्रेस पाकिस्तान की हमदर्द बन गई है क्या? राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा लेकर निकले हुए हैं, लेकिन भारत तोड़ने वाले तो स्वयं उनके दल में ही हैं। बेंगलुरु के रामेश्वरम कैफै में बन–ब्लास्ट होता है, लेकिन उसपर कोई कार्रवाई नहीं की जाती है। जिस पीएफआई पर मोदी सरकार ने प्रतिबंध लगाया, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने उस पीएफाई के खिलाफ मुकदमों को वापस लेने का काम किया। वोटबैंक और तुष्टिकरण की राजनीति के लिए, घमंडिया गठबंधन देश की सुरक्षा के साथ समझौता करने को भी तैयार है। इंडी अलायंस के सभी दल परिवारवादी पार्टियां हैं। फारुख अब्दुल्लाह, महबूबा मुफ्ती, अखिलेश यादव, तेजस्वी यादव, अभिषेक बनर्जी, केटीआर, उदयनिधि स्टालिन, सुप्रिया सुले और आदित्य ठाकरे सब परिवारवादी पार्टी के ही सदस्य हैं।

श्री नड्डा ने कहा कि मनीष सिसोदिया, संजय सिंह, सत्येंद्र जैन जेल में भ्रष्टाचार के मामले में सजा काट रहे हैं। राहुल गांधी, सोनिया गांधी, लालू यादव बेल पर बाहर हैं। अखिलेश यादव, तेजस्वी यादव और केजरीवाल के खिलाफ अदालत में मामले चल रहे हैं। यह सभी भ्रष्टाचार में लिप्त लोग हैं। विपक्षी गठबंधन का एक ही एजेंडा है, परिवार बचाओ और भ्रष्टाचार के आरोपों से बचने के लिए गठबंधन बनाओ। इंडी अलायंस के सारे नेता या तो बेल पर हैं, या जेल में हैं। भारतीय जनता पार्टी विचारधारा पर चलने वाली, काडर पर आधारित, विश्व की सबसे बड़ी राजनैतिक पार्टी है। श्री नड्डा ने प्रबुद्धजनों से आग्रह किया कि 2024 में कमल के निशान का बटन दबाकर फिर एक बार पुनः नरेन्द्र मोदी जी को प्रधानमंत्री बनाएं और देश की विकास यात्रा को आगे बढ़ाएं।

भाजपा का लक्ष्य, भारत को विश्वगुरू बनाना : अमित शाह

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री और भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता श्री अमित शाह ने महाराष्ट्र के संभाजीनगर स्थित मराठवाडा सांस्कृतिक मंडल ग्राउंड में आयोजित विशाल जनसभा को संबोधित किया और महाराष्ट्र की जनता से राज्य की हर सीट पर एनडीए को विजयी बनाने की अपील करते हुए प्रचंड बहुमत से केंद्र में फिर एक बार, मोदी सरकार बनाने का आह्वान किया। इस कार्यक्रम में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री श्री देवेंद्र फड़णवीस, महाराष्ट्र भाजपा प्रदेशाध्यक्ष श्री चंद्रशेखर बावन कुले और केन्द्रीय मंत्री श्री रावसाहेब दानवे सहित अन्य पदाधिकारीगण उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि संभाजीनगर के नाम का विरोध करने वाले लोग हिन्दु हृदय सम्राट श्री बाला साहब ठाकरे के वारिस नहीं हो सकते हैं। केंद्रीय गृह मंत्री ने संभाजी नगर की जनता से मजलिस को हराकर, भाजपा के कमल खिलाने की अपील की। श्री शाह ने कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव में देश की जनता अगले पांच वर्षों तक देश का भविष्य तय करने वाली सरकार का चुनाव करेगी। जनता के सामने दो गुट हैं जिनमें एक आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में देश के विकास के लिए समर्पित एनडीए गठबंधन है और दूसरा ओर राहुल गांधी के नेतृत्व में घमंडिया गठबंधन है। एक ओर भाजपा के नेतृत्व में देशभक्तों की टोली है जिनका लक्ष्य 2047 तक भारत को विश्वगुरू बनाने का है और दूसरी ओर परिवारवादी गठबंधन है जिसके सभी नेताओं का लक्ष्य अपने बेटे–बेटियों को मुख्यमंत्री या प्रधानमंत्री बनाना है। परिवार को आगे बढ़ाने की राजनीति करने वाले नेता कभी देश का भला नहीं कर सकते, भारत को सुरक्षित और विकसित नहीं बना सकते। ये सभी कार्य सिर्फ आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा की सरकार में संभव हैं। महाराष्ट्र की जनता ने 2014 और 2019 दोनों बार 50 प्रतिशत वोट देकर 41 से अधिक सीटों पर भाजपा को विजयी बनाया है। देश के पहले गृहमंत्री श्री सरदार वल्लभ भाई पटेल ने मराठावाड़ को निजाम के कुशासन से मुक्त किया था और मजलिस को यहां से हटाया था। लेकिन एक छोटी सी गलती और गलत सरकार के चुनाव के कारण आज पुनः मजलिस स्थापित हो रही है।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने सभा में उपस्थित सभी लोगों को संकल्प दिलाया कि जिस तरह श्री वल्लभ भाई पटेल ने महाराष्ट्र को निजाम से मुक्ति दिलाई थी उसी तरह इस चुनाव में जनता भाजपा को विजयी बनाकर नए निजामों को घर बिठाएगी। महाराष्ट्र की जनता इस बार भाजपा को 45 से अधिक सीटों पर विजयी बनाएगी। आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा के पास 10 साल का ट्रैक रिकार्ड है भी है और आने वाले 25 साल के लिए रोड मैप भी है। श्री शाह ने इंडी गठबंधन पर तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस शासन में महाराष्ट्र को केवल ₹1 लाख 91 हजार दिए थे मगर आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने ₹7,15,890 करोड़ आवंटित किए इसके साथ 8 लाख करोड़ के अन्य प्रोजेक्ट आवंटित किए। इस प्रकार भाजपा सरकार ने 10 वर्षों में कुल 16 लाख करोड़ महाराष्ट्र के विकास के लिए दिया। महाराष्ट्र के लगभग 1 करोड़ 20 लाख की जनता को आजादी के 75 साल के बाद पीने का साफ पानी घर तक पहुंचाया, 1 करोड़ लाभार्थी को 5 लाख तक का आयुष्मान भारत का लाभ मिला, 76 लाख माताओं को घर में पहली बार शौचालय मिला, 7 करोड़ लाभार्थी को 5 किलो निशुल्क अनाज मिला, 51 लाख लाभार्थी को घर में गैस सिलेंडर दिया, 12 लाख लाभार्थियों को महाराष्ट्र में आश्रय दिया और आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने जनता को निशुल्क टीका लगाकर कोरोना जैसी महामारी से बचाने का काम किया। श्री अमित शाह ने इंडी गठबंधन को चुनौती देते हुए कहा कांग्रेस के 40 साल के

मोदी सरकार ने महाराष्ट्र को यूपीए सरकार के 10 साल में दिए गए 1.91 लाख करोड़ के मुकाबले 4 गुना ज्यादा 7.15 लाख करोड़ रुपए दिए

कार्यकाल को भाजपा के 10 साल से तुलना करेंगे तो भाजपा का पलड़ा भारी रहेगा।

श्री शाह ने आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के 10 साल के कार्यकाल में देश की सुरक्षा पर बात करते हुए कहा कि सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक करके पाकिस्तान के घर में घुसकर आतंकियों का सफाया किया गया। श्री शाह ने विपक्ष पर निशान साधते हुए कहा कि 70 साल तक ये घमंडिया गठबंधन धारा 370 को छोटे बच्चे की तरह गोद में लेकर बैठा रहा लेकिन आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने 5 अगस्त 2019 को धारा 370 को समाप्त कर दिया। राहुल गांधी ने कहा था धारा 370 हटाई तो कश्मीर में खून की नदियां बह जाएंगी, पांच साल हो गए एक कंकर तक चलाने की किसी की हिम्मत नहीं हुई है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कश्मीर को हमेशा के लिए भारत के साथ जोड़ दिया। 550 सालों से दुनिया भर के राम भक्त अयोध्या में मंदिर बनने की प्रतीक्षा कर रहे थे, आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के दूसरे कार्यकाल में भूमि–पूजन भी हो गया और भव्य मंदिर भी बनकर तैयार हो गया। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने काशी विश्वनाथ मंदिर के औरंगजेब द्वारा तोड़े जाने का उल्लेख करते हुए कहा कि सालों तक किसी ने मंदिर की सुध नहीं ली। आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने भव्य काशी विश्वनाथ कॉरिडोर बनाकर इतने सालों तक हुए अपमान का बदला लिया। 150 साल पुराने अंग्रेजों के कानून बदले, नया संसद भवन बनाया, नया कर्तव्य पथ बनाया और इस देश से आतंकवाद और नक्सलवाद को उखाड़कर फेंक दिया।

उद्धव ठाकरे को धारा 370 हटाने, सर्जिकल स्ट्राइक, एयर स्ट्राइक का विरोध करने वालों के साथ गठबंधन करने पर शर्म आनी चाहिए।

श्री शाह ने कहा कि श्री बाला साहेब ठाकरे को उनके सिद्धांतों के कारण देशभर की जनता पलकों पर बिठाती है। लेकिन इस शहर का नाम का छत्रपति संभाजीनगर रखने का विरोध करने वाले लोग बाला साहब के वारिस नहीं हो सकते। उद्धव ठाकरे को 370 हटाने का, सर्जिकल स्ट्राइक, एयर स्ट्राइक का विरोध करने वालों और औरंगाबाद से संभाजीनगर की यात्रा को रोककर रखने वालों के साथ बैठने पर शर्म आनी चाहिए। उद्धव ठाकरे सहित पूरा विपक्ष सिद्धांतों और देश की नहीं अपितु अपने परिवार की राजनीति करते हैं। आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की सरकार भारतीय अर्थव्यवस्था को 11वें स्थान से पांचवें स्थान पर लेकर आई। ये मोदी गारंटी है कि तीसरे कार्यकाल में भारतीय अर्थव्यवस्था विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगी। आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने देश को विश्व भर में गौरव दिलाया है और वे विश्व के एकमात्र नेता हैं जिन्हें 14 से अधिक देशों ने अपने सर्वोच्च सम्मान से सम्मानित किया है। ये प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का नहीं बल्कि भारत 140 करोड़ जनता का सम्मान है। विश्व के हर देश हर कोने में जाकर आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी देश की राष्ट्रभाषा हिंदी में संबोधन करते हैं।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कांग्रेस पर प्रहार करते हुए कहा कि कांग्रेस और घमंडिया गठबंधन ने धारा 370 और तीन तलाक हटाने, अन्य पिछड़ा वर्ग आयोग के गठन, कश्मीर को वाल्मीकियों को दिए आरक्षण, हिंदू शरणार्थियों को नागरिकता देने, जीएसटी, पूर्व राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद, वर्तमान राष्ट्रपति श्रीमति द्रौपदी मुर्मू, सर्जिकल एवं एयर स्ट्राइक, स्वदेशी वैक्सीन, नए संसद भवन और कर्तव्य पथ का विरोध किया और अंत में राम जन्मभूमि पर श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का भी बहिष्कार किया। विपक्ष के पास सिर्फ विरोध का ही काम बचा है। भारत को विश्वगुरू और विकसित केवल आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ही बना सकते हैं। अंत उन्होंने आह्वान किया कि संभाजीनगर की जनता मजलिस को उखाड़ कर फेंकेगी और इस निर्वाचन क्षेत्र में कमल खिलाएगी। उन्होंने जनता से भाजपा को 370 से अधिक सीटों पर विजयी बनाने और श्री नरेन्द्र मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाकर 2047 तक देश को विकसित भारत बनाने की अपील की।

सनातन संस्कृति अक्षुण्य : मोहन यादव

मध्य प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव का भाजपा प्रदेश मुख्यालय में स्वागत व अभिनंदन हुआ। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री श्री ब्रजेश पाठक, प्रदेश सरकार के मंत्री श्री गिरीश यादव, सदस्य राज्यसभा संगीता यादव, पार्टी के उपाध्यक्ष श्री संतोष सिंह, श्री बृज बहादुर, प्रदेश महामंत्री श्री गोविन्द नारायण शुक्ला, श्री राम प्रताप चौहान, प्रदेश मंत्री श्री शिव भूषण सिंह, श्री बसंत त्यागी, श्री शंकर लोधी ने डा. मोहन यादव का स्वागत किया। स्वागत कार्यक्रम का संचालन प्रदेश महामंत्री और विधान परिषद सदस्य श्री सुभाष यदुवंश ने करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश अब राष्ट्रवाद के मार्ग पर आगे बढ़ चुका है, जिसमे परिवारवाद के लिए कोई जगह नहीं है। इस दौरान विधायक रामचन्द्र यादव, श्री आशीष यादव, यादव महासभा के प्रदेश अध्यक्ष डा. राम कैलाश यादव, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री अजय यादव, वर्षा यादव, मोनिका यादव, पूर्व विधायक श्री हरिओम यादव, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष श्री विजय बहादुर यादव, प्रदेश महामंत्री पिछड़ा वर्ग मोर्चा श्री विनोद यादव, श्री राम निवास यादव, श्री जितेन्द्र यादव सहित बड़ी संख्या में उपस्थित जन समूह ने डा. मोहन यादव का स्वागत किया। मुख्यालय प्रभारी श्री भारत दीक्षित एवं सहप्रभारी चौधरी लक्ष्मण सिंह ने मुख्यालय परिवार की ओर से अभिनंदन किया।

मध्य प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव ने कहा कि काल के प्रवाह में कई संस्कृतियां, सभ्यताएं समाप्त हो गई। कई अक्रांता आए और चले गए। लेकिन सनातन संस्कृति अक्षुण्य है। उन्होंने कहा कि लार्ड मैकाले की शिक्षा नीति पर देश की शिक्षा व्यवस्था चल रही थी जो राष्ट्राभिमान, संस्कृति व संस्कारों से विमुख थी। आज प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में देश के नौनिहालों को भारतीय संस्कारों, अतीत के गौरव, राष्ट्रीय स्वाभिमान तथा संस्कारों से युक्त विश्व प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार शिक्षा नीति से वैभवशाली राष्ट्र निर्माण की प्रतिबद्धता को साकार रूप मिला है।

उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का पूरा जीवन प्रेरणा देता है अत्याचार, अहंकार और दम्भ के प्रतीक कंस का वध और इन्द्र के हठ को तोड़ने का नाम श्रीकृष्ण है। भगवान श्रीकृष्ण का जीवन हमें सत्य के लिए संघर्ष करना सिखाता है। आज अयोध्या में प्रभु श्रीराम विराजमान है। श्रीकृष्ण हमारे समाज के आराध्य हैं। मथुरा के लिए जिन्हें काम करना चाहिए था, जिनकी जबाबदेही थी, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। यह सब समाज के सामने है।

उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में किसी भी जाति या समाज के किसी भी व्यक्ति को योग्यता और क्षमता के आधार पर अवसर मिलना चाहिए। इसके लिए ही देश को आजाद कराने के लिए क्रान्तिकारियों ने अपने प्राणों का उत्सर्ग किया। देश को स्वतंत्र कराने और राजतंत्र से मुक्त करने के लिए वीर सपूतों ने अपना बलिदान दिया। लोकतंत्र का अर्थ यही है कि योग्यता के आधार पर लोग आगे बढ़े। राजतंत्र की परिपाटी में राजा का बेटा राजा की तरह ही परिवारवाद के आधार पर लोगों का आगे बढ़ना लोकतंत्र के विरूद्ध है। उन्होंने कहा कि मैं किसान का बेटा हूं, जिसके परिवार में किसी ने राजनीति नहीं की और मुझें मध्य प्रदेश का मुख्यमंत्री बना दिया गया है। किसी भी कार्यकर्ता का किसी भी पद पर पहुंचना सिर्फ भाजपा में संभव है। उन्होंने स्वयं को उत्तर प्रदेश से जोड़ते हुए कहा कि हमारे पूर्वज आजमगढ़ से मध्य प्रदेश गए थे। उन्होंने कहा कि मेरे आजमगढ़ प्रवास पर जब सपा प्रमुख ने मेरे ऊपर टिप्पणी की तो उनको सबक सिखाने का काम सुभाष यदुवंश जी ने किया। सुभाष जी के आह्वान पर पचासों जिलों में यादव समाज ने पुतला फूंक कर उनका विरोध किया।

इससे पूर्व प्रदेश के उपमुख्यमंत्री श्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि उत्तर प्रदेश में सभी 80 लोकसभा सीटों पर कमल खिलाने के लिए हम सभी मिलकर काम करेगें। उन्होंने मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव का अभिनंदन करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश की ओर से आपका अभिनंदन करते हुए आपके आगमन के लिए आभार व्यक्त करता हूं।

साहित्योदय विकसित भारत@2047 साहित्य का अमृत काल का हुवा भव्य आयोजन

साहित्यकारों ने देश को दिशा प्रदान की है-शिवशक्ति बक्शी

पत्र पत्रिका प्रकाशन विभाग भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश द्वारा साहित्योदय विकसित भारत@2047 साहित्य का अमृत काल का आयोजन भाजपा मुख्यालय सभागार में आयोजित किया गया।

मुख्य अतिथि पत्र पत्रिका प्रकाशन प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय संयोजक डॉ. शिव शक्ति बक्शी ने कहा कि सांस्कृतिक आध्यात्मिक चेतना को जागृति करने वाला उत्तर प्रदेश है। यहां के साहित्यकारों ने प्राचीन काल से ही एक नई चेतना को जागृति किया है। अमृत काल का साहित्य कैसा हो? इस दृष्टी से यही समय है, सही समय है,भारत का अनमोल समय है। यह अमृत काल केवल भारत के लिए ही नहीं सम्पूर्ण विश्व के कल्याण का काल है। मोदी जी द्वारा दिये गए पंच प्रणों से ही विकसित भारत का लक्ष्य पूरा होगा। पिछले एक डेस्क में आमूलचूल परिवर्तन हुए है। देश के नागरिकों में एक नया आत्मविश्वास का संचार हुआ है। एक नया भारत बनाने के लिए साहित्यकार एकजुट हों।

विशिष्ट अतिथि उत्तर प्रदश सरकार के सहकारिता मंत्री जे पी एस राठौर ने कहा कि साहित्योदय विकसित भारत@2047 के माध्यम से भारत अपना खोया गौरव वैश्विक मंच पर हासिल कर रहा है। साहित्य का असर दूरगामी होता है। अभिज्ञान शाकुंतलम से लेकर कालीदास, प्रेमचंद, जयशंकर प्रसाद सरीखे साहित्यकारों ने देश को अपनी साहित्य सृजन के माध्यम से दिशा दिखाई है। साहित्य देश को दिशा देता है। साहित्यकारों से अपेक्षा है साहित्य मंथन के माध्यम से विकसित राष्ट्र का मार्ग प्रसस्त करें।

भाजपा उत्तर प्रदेश के उपाध्यक्ष संतोष सिंह ने कहा कि सहित्योदय के माध्यम से साहित्यकार समाज की दशा एवं दिशा बदलतें है। अच्छे साहित्य का सृजन ही गौरवशाली भारत की

पुनर्प्रतिष्ठा करेगा।

भाजपा के विभिन्न प्रकोष्ठों के संयोजक ओम प्रकाश श्रीवास्तव ने संकल्प पत्र के लिए सुझाव आमन्त्रित करते हुए कहा कि संकल्प पत्र में क्या शामिल होना चाहिए इसके लिए सुझाव दीजिए। आपके सुझाव संकल्प पत्र में शामिल किये जायेंगे।

पत्र पत्रिका प्रकाशन प्रकोष्ठ उत्तर प्रदेश के सह संयोजक राजकुमार ने कहा कि सहित्योदय के माध्यम से अमृतकाल में वैभव सम्पन्न भारत की संकल्पना कर रहें है। आज़ादी के बाद समाज को तोड़ने वाले साहित्यों की भी रचना हुई अब साहित्य सभी को जोड़ने का कार्य मार्ग प्रस्तुत कर रहा है। वर्तमान की आवश्यकतानुरूप साहित्य की रचना समाज को सकारात्मक दिशा में बदलने के लिए हो रही है। एकात्ममानववादी सरकार को लाकर ही सहित्योदय का सकारात्मक प्रयास कर सकतें है।

अध्यक्षता करते हुए पूर्व विधानसभा अध्यक्ष ह्रदयनारायण दीक्षित ने कहा कि किसी भी देश का साहित्य उस देश के राष्ट्र जीवन का मार्गदर्शी नहीं है। भारतीय साहित्य नीतिनिर्देशक तत्व बने हुए है। मार्गदर्शी साहित्य केवल भारत का है। यहां के नाटक कला गीत संगीत मनोरंजन के साथ मार्गदर्शन भी करतें है। अर्थशास्त्र, व्याकरण, योगसूत्र, नाट्यकला भारत में सबसे पहले आई। योग को सारी दुनिया ने स्वीकार किया ये मोदी जी के कार्यकाल के सुपरिणाम है। गीता भारतीय जीवन पद्धति का दर्शन है। गीता ने पूरी मानवता को एक सूत्र में पिरोया। साहित्यसृजन का कार्य सबसे बड़ा है। विशिष्ठ अतिथि ओम प्रकाश श्रीवास्तव ने कहा कि भारत अपनी ज्ञान संस्कृति साहित्य के बल पर ही विकसित भारत बनेगा। साहित्य जगत की चुनौतियों से लड़नेवाले महारथियों के लिए ही सहित्योदय है। राजनीति को दिशा दिखाने वाले कार्यकर्ता सहित्योदय के माध्यम से अपनी सेवाएं दें। साहित्यकारों की शिथिलता से देश विरोधी ताकतें बलवती होती है। समाज संरचना में साहित्यकार अपनी भूमिका निभाएं।

इस अवसर पर लखनऊ विश्वविद्यालय के पत्रकारिता विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ सौरभ मालवीय जी की पुस्तक भारतीय राजनीति के महानायक नरेंद्र मोदी एवं पायल लक्ष्मी सोनी,अमित मिश्रा एवं अन्य साहित्यकारों की पुस्तकों का लोकार्पण किया गया।

इस सहित्योदय मे विभिन्न क्षत्रों से पधारे साहित्यकारों का सम्मान अंगवस्त्रों से किया गया। कार्यक्रम का संचालन अरविंद पांडेय ने किया। जिसमें प्रमुख रूप से उत्तर प्रदेश के सभी विधओं के साहित्यकार उपस्थित रहें जिसमें प्रमुख रूप से पायल सोनी, सत्या सिंह, नवल किशोर, अमित मल्ल, महेंद्र भीष्म, रेनू द्विवेदी, विनय अग्रवाल, प्रतिभा श्रीवास्तव, मनीष अग्रवाल उपस्थित थे।

ऋषियों का देश भारत

हृदयनारायण दीक्षित

अयोध्या अंतर्राष्ट्रीय चर्चा में है। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर विश्व आकर्षण है। लाखों श्रद्धालु दर्शनार्थ आ रहे हैं। अयोध्या में दर्शनार्थियों का मेला है। प्रसन्नता का विषय है कि यहीं सप्तऋषियों का मंदिर भी बनाने की तैयारी है। श्रीरामजन्मभूमि मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष नृपेन्द्र मिश्र ने यह घोषणा की है। सप्तऋषि मंदिर का निर्माण मार्च से शुरू होना है। भारत के अंतःकरण में ऋषियों के प्रति श्रद्धा है। ऋषि अनूठे हैं। वे प्रकृति की प्रत्येक गतिविधि के द्रष्टा हैं। सो उन्हें ऋषि कहा गया–**ऋषयो मंत्र द्रष्टार**। जो मंत्र देखता है वही ऋषि है। वैदिक साहित्य के कवि ऋषि कहे जाते हैं। वे सन्यासी नहीं हैं। साधारण गृहस्थ हैं। वे परिवार चलाते हैं। खेती सहित जीविका के अन्य काम भी करते हैं लेकिन मंत्र सृजन भी करते हैं। वे प्रकृति के प्रति आत्मीय हैं। वे मधु प्रिय हैं। मधु और आनंद पर्यायवाची हैं। अस्तित्व के कण कण व हरेक रूप पर उनकी दृष्टि है। वे आश्चर्यजनक द्रष्टा हैं। जल, अग्नि, वायु, पृथ्वी के साथ ही आकाश तक देखते हैं। सूर्य के निराधार लटके होने पर भी उनके मन में प्रश्न थे। भारतीय परंपरा में आनंद प्राप्ति की अनेक साधनाएं थीं। साधनारत लोग साधू कहे गए। साधना में सिद्ध जन मुनि बताए गए लेकिन ऋषि की बात ही दूसरी है। राजा को बड़ा बताना हो तो राजर्षि कहा गया। प्राचीन साहित्य में ब्रह्मवेत्ता की बड़ी प्रशंसा है लेकिन उसे भी और बड़ा बताना हो तो ब्रह्म ऋषि कहने की जरूरत पड़ी। ऋषि पूरी सृष्टि को आत्मीयता से देखते हैं और पूरी आत्मीयता से मंत्र भी गाते हैं।

भारत की प्रज्ञा में बहुत गहरे तक ऋषि का सम्मान है। नारद को ही लीजिए। नारद जैसी क्षमता वाला दूसरा पात्र परंपरा में नहीं है। उनके लिए भौगोलिक दूरी का कोई मतलब नहीं। वे सभी लोकों में घूमते हैं। वाद्ययंत्र लेकर समय का अतिक्रमण करते हैं। एक पल में इस लोक में अगले पल दूसरे लोक में। वे वैदिक मंत्रों में मिलते हैं और पुराण काल की कथाओं में भी। महाभारत और रामायण की भी तमाम कथाओं में उनके विवरण हैं। उन्हें देव कहकर भारत का मन नहीं अघाया। सो देव के साथ ऋषि जोड़ा गया। वे देवर्षि कहे गए। जान पड़ता है कि परंपरा में ऋषि होना ही बड़ा होना है, बिना ऋषि हुए क्या होना? लेकिन ऋषि धरती पर ही थे। भारत के मन को लगा होगा कि कुछ प्रतिष्ठित ऋषियों को आकाश में भी देखा जाए। तब सात ऋषियों को आकाश में प्रतिष्ठित करने का अभिनव आयोजन हुआ होगा। कब हुआ? कैसे हुआ? इसके भौतिक प्रमाण नहीं। लेकिन यह हुआ। इसीलिए

विकास का क्रम सूक्ष्म से स्थूल की ओर हुआ है। भारतीय चिन्तन के पांच महाभूतों–आकाश, वायु, अग्नि, जल और पृथ्वी में आकाश पहला है। आकाश का गुण शब्द बताया गया है।

आकाश में तारों की एक विशेष आकृति को सप्तऋषि कहा गया। आधुनिक काल में भी आकाश में तारो से बनी एक विशेष आकृति को सप्तऋषि मण्डल कहा जाता है। उन्हें प्रणाम भी किया जाता है।

भारत का मन ऊध्व प्रिय है। सूर्य ऊपर और ऊंचे है। सो स्तुतियां पाते हैं। चन्द्र ऊपर है, हम उन्हें ब्रह्माण्ड का मन कहते हैं। हमारी प्रार्थना का ईश्वर कण–कण व्यापी है लेकिन हम उसे 'ऊपर वाला' कहते हैं। स्वर्ग है या नहीं? अब तक सिद्ध नहीं लेकिन हम स्वर्ग को भी ऊपर या आकाश स्थित सुनते आए हैं। समृद्धि संसारी है। हम **'समृद्धि'** को ऊपर उठना बताते हैं। यश कीर्ति भी संसारी है, हम यशस्वी को ऊंचा या ऊपर बताते हैं। मेरे जैसे लोगों को ऊंचाई पर डर लगता है। लेकिन ऊंचाई की प्रतिष्ठा है। अग्नि प्रत्यक्ष है, इसकी लौ–लपट ऊपर जाती है। जल हमेशा ऊपर से नीचे को बहता है। लेकिन इस बहाव को भी बादल के रूप में ऊपर जाते देखकर हम प्रसन्न होते हैं। मनुष्य धरती पर है, अन्य ग्रहों में है या नहीं? पता नहीं। लेकिन देवताओं का निवास बहुत ऊपर परमव्योम में बताया जाता है। आकाश तक पहुंचना हमारी प्यास है। इसीलिए हमारे प्रिय सात ऋषि आकाश में चमकते हैं।

विकास का क्रम सूक्ष्म से स्थूल की ओर हुआ है। भारतीय चिन्तन के पांच महाभूतों–आकाश, वायु, अग्नि, जल और पृथ्वी में आकाश पहला है। आकाश का गुण शब्द बताया गया है। ऋग्वैदिक पूर्वजों के अनुसार "ऋचाएं या कविताएं परम व्योम" में रहती हैं और वहीं से चलकर जागृत मनुष्यों के चित्त में उतर जाती हैं।" सप्त ऋषि आकाश में हैं। अयोध्या में उन्हें धरती पर भी प्रतिष्ठित करने की योजना है। आकाश में तारे हैं। तारों के विशेष प्रकार के प्राकृतिक आकर्षक संयोजन भी हैं। रात्रि में आकाश में तारों से बना एक बड़ा मार्ग–हाईवे भी दिखाई पड़ता है। अंग्रेजी में इसे **'मिल्की वे'** कहा जाता है। यह दूधिया मार्ग जैसा दिखाई पड़ता है। लेकिन हम सब इसे 'आकाश गंगा' कहते हैं। गंगा भौगोलिक दृष्टि से उत्तरांचल, उ0प्र0, बिहार और प0 बंगाल राज्यों से होकर समुद्र में बहती हैं लेकिन गंगा जल में भारत की प्रीति अथाह है। वे ऋग्वेद में स्तुतियां पाती हैं। आदि कवि वाल्मीकि (रामायण बालकाण्ड) गंगा के प्रवाह में सहस्त्रों सूर्यो की दीप्ति देखते हैं। प्रकृति की दिव्य शक्तियां देवता हैं। ऋग्वेद में देवता अमृत बंधु बताए गए हैं। आचार्य वराह मिहिर ने 560 ई0 के आसपास ज्योतिर्विज्ञान पर वृहत संहिता लिखी थी। डॉ0 सुरेश चन्द्र ने इस की व्याख्या की है। आकाश गंगा या सप्तऋषियों को आकाश में बैठाना भारत का भावरस हो सकता है। वैसे भी हमारे पूर्वजों की दृष्टि आकाश की ओर रही है। कालिदास की रचना 'मेघदूत' में आकाश मार्ग की रम्यता का ललित वर्णन है। वराह मिहिर ज्योतिर्विज्ञानी थे। उन्होंने भी सप्तऋषियों को आकाश में देखा, प्रतिष्ठित किया। लिखते हैं, "सप्त ऋषियों से उत्तर दिशा सौभाग्यशाली नायिका की तरह सुशोभित होती है।" बताया है कि पश्चिमी यूनानी ज्योतिष में इन तारों में एक भालू के आकार की कल्पना की गई है।" ये सप्तऋषि ध्रुव तारे की परिक्रमा करते हैं। मरिचि, वशिष्ठ, अंगिरा, अग्नि, पुलस्त्य, पुलह और क्रेतु ये सात नाम उन्हें दिए गये हैं।" तारों में ऋषि देखना विज्ञान का विषय नहीं है। ऋषि वैदिक परंपरा में कवि हैं। मनुष्य हैं। तारे मनुष्य नहीं हैं। भरतीय भावबोध ने उन्हें आकश में बैठाया है।

ऋग्वेद सहित चार वेदों में अनेक ऋषियों के लगभग बीस हजार मंत्र हैं। सभी ऋषि आदरणीय हैं। वराह मिहिर ज्योतिर्विज्ञानी ने अपनी सूची दी है। महाभारत में सप्त ऋषियों की दो सूचियां हैं। अलग–अलग संदर्भ में। ऋग्वेद में दस मण्डल या खण्ड हैं। दूसरे से लेकर सातवे मण्डल तक 6 मण्डलों को 'वंश मण्डल' कहा जाता है। 6 मण्डलों में 6 ऋषि कुलों के मंत्रों के संकलन हैं। यह सूची स्थायी है। दूसरा मण्डल गृत्समद् वंश कुल का है और तीसरा है विश्वामित्र वंश का। चौथा वामदेव का, पांचवा अत्रि का, छठा भरद्वाज और सातवां वशिष्ठ कुल का। बताते हैं कि गृत्समद ने बाद में स्वयं को शौनक कुल घोषित कर दिया था इसलिए उन्हें शौनक कुल भी कहा जाता है। कण्व कुल के भी तमाम मंत्र हैं। ये सात ऋषि ऋग्वेद के मुख्य द्रष्टा हैं। मूल बात है इन्हें 'नभ–मण्डल' में प्रतिष्ठित करना। सृष्टि जब तक रहेगी, तब तक सूर्योदय व सूर्यास्त भी होंगे। आने वाले हरेक सूर्यास्त के बाद आकाश में दिखाई पड़ेंगे विश्वामित्र, वशिष्ठ, अत्रि और भरद्वाज सहित सात ऋषि। हमारे प्रतिभाशाली पूर्वज। क्या हम उन्हें भुला सकते हैं? वे आकाश में बैठे हुए भूलने की कोशिश असफल कर देंगे।

मोदी का बृहद परिवार

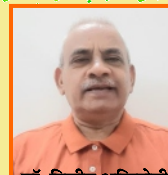

डॉ. दिलीप अग्निहोत्री

इंडी गठबंधन की पटना रैली में दुर्लभ संयोग दिखा। लालू यादव के मुख से हिन्दू शब्द का उच्चारण हुआ। इतना ही नहीं वह हिन्दू होने ना होने का प्रमाणपत्र भी देते दिखाई दिए। उनकी पूरी राजनीति ही तुष्टीकरण पर आधारित रही है। जिसमें हिन्दू और सनातन का विरोध दिखाई देते है। ऐसा करके अपने को सेक्युलर प्रमाणित किया जाता है। इसके अलावा लालू ने मोदी के परिवार पर भी टिप्पणी की।

वैसे नरेंद्र मोदी की देश दुनिया में जो छवि है, उसका किसी लालू की टिप्पणी का कोई असर नहीं हो सकता। इसी हिन्दू शब्द के उच्चारण से लालू यादव की छवि नहीं बदल सकती. वह समाज सेवा के लिए परिवार के त्याग का विचार समझ ही नहीं सकते। जब वह राम मनोहर लोहिया और जय प्रकाश नारायण को नहीं समझे, तब मोदी को क्या समझेंगे। लालू के लिए फैमिली फस्ट है।

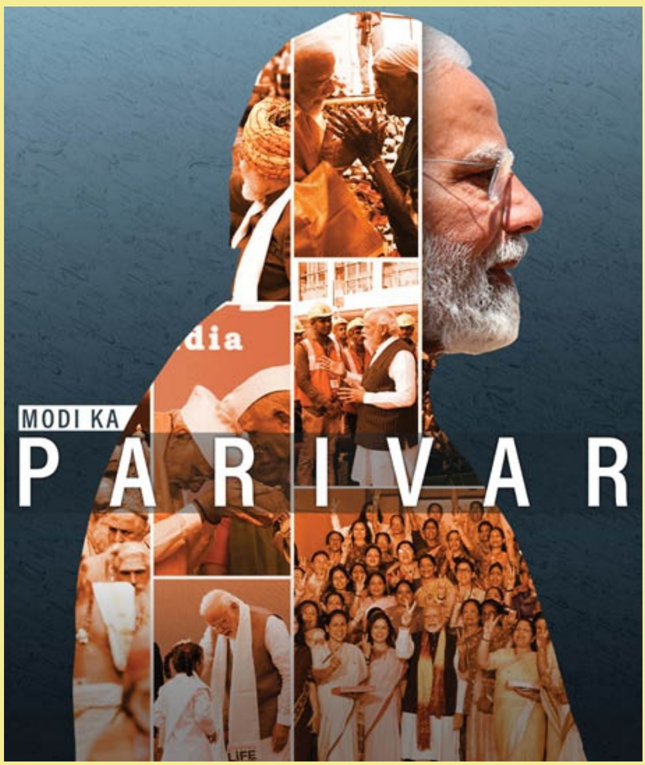

राजतंत्र जैसी व्यवस्था है। दामन पर घोटालों के दाग है। इसके बाद भी ऐसे लोगों द्वारा संविधान और लोकतंत्र की दुहाई दी जाती है। नरेंद्र मोदी ने इंडी गठबंधन के परिवार वाद को मुद्दा बना दिया है। इसका मुकाबला परिवारवादी दल नहीं कर सकते। नरेन्द्र मोदी ने कहा कि परिवारवादी अब उनसे उनके परिवार के बारे में पूछ रहे हैं। उनका मानना है कि परिवार वाले होने के कारण उन्हें भ्रष्टाचार और सत्ता हड़पने का अधिकार मिल जाता है।

उन्होंने कहा कि मौज मस्ती के लिए परिवार नहीं छोड़ा है बल्कि देश सेवा के लिए छोड़ा है।

जिसका कोई नहीं है, वो भी मोदी के हैं और मोदी उनका है। मेरा भारत–मेरा परिवार। इसलिए आज पूरा देश एक सुर में कह रहा है– मैं हूं... मोदी का परिवार। इंडी अलायंस को रिश्वतखोरी, भ्रष्टाचार और देश की व्यवस्थाओं को करप्ट करने के अलावा और कुछ आता ही नहीं है। कांग्रेस, द्रमुक और इंडी गठबंधन से जुड़ी पार्टियां भ्रष्टाचार और परिवारवादी पार्टियां हैं.परिवारवादियों की करोड़ों लोगों की आस्था का अपमान करना भी एक आदत है। किसी को भी देश की आस्था से खिलवाड़ का अधिकार नहीं है। परिवार वाद से अहंकार आता है। परिवारवादी लोग अहम पदों पर बैठकर लोगों को गुलाम समझने लगते हैं और पद की गरिमा भूल जाते हैं। ऐसे ही एक डीएमके परिवार के सदस्य से सुप्रीम कोर्ट ने सख्त सवाल किए हैं। इंडी की परिवारवादी राजनीति पर डॉ मोहन यादव भी हमला बोल रहे हैं। बिहार और उत्तर प्रदेश में मोहन यादव के विचारों का असर दिखाई दे रहा है। उत्तर प्रदेश और बिहार ने परिवारवादी और सनातन विरोधी राजनीति को खूब देखा है। आज भी इंडी गठबंधन के दल इसी एजेंडे पर कायम है। दूसरी तरफ भाजपा सरकारें सनातन और सुशासन के मार्ग का अनुसरण कर रही है। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव भी इसी विचारधारा से ओतप्रोत हैं। उनकी बिहार और उत्तर प्रदेश की यात्रा इंडी गठबंधन को विचलित करती है।

डा.मोहन यादव की लखनऊ यात्रा से यह प्रमाणित हुआ। उनका भाजपा प्रदेश मुख्यालय में स्वागत अभिनंदन हुआ। डॉ मोहन यादव ने कहा कि काल के प्रवाह में कई संस्कृतियां, सभ्यताएं समाप्त हो गई। कई अक्रांता आए और चले गए। लेकिन सनातन संस्कृति अक्षुण्य है। लार्ड मैकाले की शिक्षा नीति पर देश की शिक्षा व्यवस्था चल रही थी जो राष्ट्राभिमान, संस्कृति व संस्कारों से विमुख थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश के नौनिहालों को भारतीय संस्कारों, अतीत के गौरव, राष्ट्रीय स्वाभिमान तथा संस्कारों से युक्त विश्व प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार शिक्षा नीति से वैभवशाली राष्ट्र निर्माण की प्रतिबद्धता को साकार रूप मिला है।

उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का पूरा जीवन प्रेरणा देता है अत्याचार, अहंकार और दम्भ के प्रतीक कंस का वध और इन्द्र के हठ को तोड़ने का नाम श्रीकृष्ण है। भगवान श्रीकृष्ण का जीवन हमें सत्य के लिए संघर्ष करना सिखाता है। आज अयोध्या में प्रभु श्रीराम विराजमान है। श्रीकृष्ण हमारे समाज के आराध्य हैं। मथुरा के लिए जिन्हें काम करना चाहिए था, जिनकी जबाब देही थी, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। यह सब समाज के सामने है।

उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में किसी भी जाति या समाज के किसी भी व्यक्ति को योग्यता और क्षमता के आधार पर अवसर मिलना चाहिए। लोकतंत्र का अर्थ यही है कि योग्यता के आधार पर लोग आगे बढ़े। राजतंत्र की परिपाटी में राजा का बेटा राजा की तरह ही परिवारवाद के आधार पर लोगों का आगे बढ़ना लोकतंत्र के विरूद्ध है। उन्होंने कहा कि मैं किसान का बेटा हूं, जिसके परिवार में किसी ने राजनीति नहीं की और मुझें मध्य प्रदेश का मुख्यमंत्री बना दिया गया है। किसी भी कार्यकर्ता का किसी भी पद पर पहुंचना सिर्फ भाजपा में संभव है। उन्होंने स्वयं को उत्तर प्रदेश से जोड़ते हुए कहा कि हमारे पूर्वज आजमगढ़ से मध्य प्रदेश गए थे। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि उत्तर प्रदेश में सभी अस्सी लोकसभा सीटों पर कमल खिलाने के लिए हम सभी मिलकर काम करेगें। डॉ. मोहन यादव ने अपनी मंत्रिपरिषद के साथ अयोध्या धाम में श्री रामलला के दर्शन किए।

"हमारा सबका सौभाग्य है, हमने आज श्रीरामलला के दर्शन किये, मध्य प्रदेश और अयोध्या का सम्बंध दो हजार साल पुराना है, जब मध्य प्रदेश से सम्राट विक्रमादित्य ने अयोध्या आकर भगवान श्रीराम जन्मभूमि का पुनरुद्धार करवाया था। पांच सौ वर्षो बाद फिर से एक अवसर आया है, जब भगवान श्रीरामलला प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा हुई, यह तारीख इतिहास में दर्ज हो गई है। अब अयोध्या अलौकिक नगर के रूप में स्थापित हो गयी है। उन्होंने कहा कि हम यहां मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व उत्तर प्रदेश सरकार से अनुरोध करेंगे कि यहां मध्य प्रदेश वासियों के लिए एक स्टेट भवन बने। इससे मध्य प्रदेश के दर्शनार्थियों को सुविधा प्राप्त होगी। सप्तपुरियों में वर्णित अयोध्या मोक्षदायिनी नगरी है, यहां आकर हम सभी को अलौकिक अनुभूति हो रही है। नरेंद्र मोदी के परिवार का मुद्दा उठा कर इंडी गठबंधन अपने ही जाल में फंस गया है। नरेंद्र मोदी बहुत पहले से कह रहे हैं कि मेरा भारत मेरा परिवार है। एक सौ चालीस करोड़ देशवासी मेरा परिवार हैं। भ्रष्टाचार, परिवारवाद और तुष्टिकरण में आकंठ डूबे इंडी गठबंधन के नेता बौखलाते जा रहे हैं। अब इन्होंने चुनाव का अपना असली घोषणापत्र निकाला है। मोदी उनके परिवारवाद पर सवाल उठाते रहे हैं। लेकिन इन्हें मोदी के परिवार की कोई समझ ही नहीं हैं. पत्नी पुत्र पुत्री तक सीमित लोग मोदी की राष्ट्र सेवा और इसके लिए उनके द्वारा किए गए त्याग की कल्पना भी नहीं कर सकते। नरेंद्र मोदी ने कहा कि मेरा जीवन खुली किताब जैसा है। एक सपना लेकर मैंने बचपन में घर छोड़ा था, और जब मैंने अपना घर छोड़ा तब एक सपना लेकर के चला था कि मैं देशवासियों के जिऊंगा। सभी देशवासी यही मेरा परिवार है। ये नौजवान यही मेरा परिवार है। आज देश की करोड़ों बेटियां, माताएं, बहनें यही मेरा परिवार है। आज देश का हर गरीब ये मेरा परिवार है। देश के कोटि–कोटि बच्चे बुजुर्ग ये मोदी का परिवार है। जिसका कोई नहीं है वे भी मोदी के हैं और मोदी उनका है। मेरा भारत मेरा परिवार है।

जिसका कोई नहीं है, वो भी मोदी के हैं और मोदी उनका है। मेरा भारत-मेरा परिवार। इसलिए आज पूरा देश एक सुर में कह रहा है- मैं हूं... मोदी का परिवार।

महाशिवरात्रि का सांस्कृतिक एवं वैज्ञानिक महत्व

डॉ. सौरभ मालवीय

पर्व एवं त्योहार भारतीय संस्कृति की पहचान हैं। ये केवल हर्ष एवं उल्लास का माध्यम नहीं हैं, अपितु यह भारतीय संस्कृति के संवाहक भी हैं। इनके माध्यम से ही हमें अपनी गौरवशाली प्राचीन संस्कृति के संबंध में जानकारी प्राप्त होती है। महाशिवरात्रि भी संस्कृति के संवाहक का ऐसा ही एक बड़ा त्योहार है।

शिवरात्रि प्रत्येक मास की अमावस्या से एक दिन पूर्व अर्थात कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को मनाई जाती है, जबकि महाशिवरात्रि वर्ष में एक बार आती है। यह फाल्गुन मास की कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को मनाई जाती है। शिव पुराण की ईशान संहिता में कहा गया है कि फाल्गुन कृष्ण चतुर्दशी की रात्रि में भगवान शिव करोड़ों सूर्यों के समान प्रभाव वाले लिंग रूप में प्रकट हुए थे–

फाल्गुनकृष्णचतुर्दश्यामादिदेवो महानिशि।
शिवलिंगतयोद्भूतः कोटिसूर्यसमप्रभः॥

माना जाता है कि इसी दिन प्रलय आएगा, जब प्रदोष के समय भगवान शिव तांडव करते हुए ब्रह्मांड को तृतीय नेत्र की ज्वाला से नष्ट कर देंगे। इसीलिए शिवरात्रि को कालरात्रि भी कहा जाता है।

सांस्कृतिक एवं धार्मिक महत्त्व

महाशिवरात्रि धार्मिक एवं सांस्कृतिक रूप से अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। महाशिवरात्रि के सन्दर्भ में अनेक पौराणिक कथाएं प्रचलित हैं। एक कथा के अनुसार अग्निलिंग के उदय के साथ इसी दिन सृष्टि प्रारंभ हुई थी। एक पौराणिक कथा के अनुसार फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी पर भगवान शिव सर्वप्रथम शिवलिंग के स्वरूप में प्रकट हुए थे। इसीलिए इस दिवस को भगवान शिव के ज्योतिर्लिंग के प्रकाट्य पर्व को प्रत्येक वर्ष महाशिवरात्रि के रूप में मनाया जाता है।

एक अन्य कथा के अनुसार इस दिन भगवान शिव का देवी पार्वती के साथ विवाह सम्पन्न हुआ था। यह उनके विवाह की रात्रि है। उन्होंने वैराग्य त्याग कर गृहस्थ जीवन अ पना लिया था। एक पौराणिक कथा के अनुसार इस दिन भगवान शिव ने समुद्र मंथन के समय निकले कालकूट नामक विष को अपने कंठ में रख लिया था। इससे उनका कंठ नीला हो गया था। इसीलिए उन्हें नीलकंठ नाम से भी जाना जाता है। कहा जाता है कि इस घातक विष के कारण भगवान शिव को ताप चढ़ गया था। इसे उतारने के लिए उनके मस्तक पर बेल पत्र रखा गया, क्योंकि बेल पत्र शीतल गुण वाला होता है। इससे उन्हें संतुष्टि प्राप्त हुई। तभी से शिवलिंग पर बेल पत्र चढ़ाने की परंपरा आरंभ हुई। एक कथा के अनुसार इस रात्रि भगवान शिव ने संरक्षण एवं विनाश के नृत्य का सृजन किया था। इसलिए भी यह रात्रि विशेष है।

महाशिवरात्रि का वैज्ञानिक महत्त्व

महाशिवरात्रि का वैज्ञानिक दृष्टि से अत्यंत महत्त्व है। माना जाता है कि इस रात्रि ग्रह का उत्तरी गोलार्द्ध इस प्रकार अवस्थित होता है कि मानव की आंतरिक ऊर्जा प्राकृतिक रूप से ऊपर की ओर जाती है। मान्यता है कि यह ऊर्जा मनुष्य को आध्यात्मिक शिखर तक ले जाने में सहायक सिद्ध होती है। इसलिए इस रात्रि में भगवान शिव की पूजा–अर्चना करने का अत्यंत महत्त्व है। पूजा के समय भक्त सीधा बैठता है तथा उसकी रीढ़ की हड्डी सीधी होती है। इसके कारण उसकी ऊर्जा उसके मस्तिष्क की ओर जाती है। इससे उसे शारीरिक ही नहीं, अपितु मानसिक एवं आध्यात्मिक शक्ति भी प्राप्त होती है। भगवान शिव का पंचाक्षरी मंत्र ॐ नमः शिवाय है। यह मंत्र भगवान शिव को अत्यंत प्रिय है। इस मंत्र का संबंध पंच महाभूतों भूमि, गगन, वायु अग्नि एवं नीर से माना जाता है। इस मंत्र का निरंतर जाप करने से शरीर में ऊर्जा का संचार होता है। इससे मनुष्य का आत्मबल बढ़ता है।

धर्म ग्रंथों के अनुसार महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव की पूजा– अर्चना करने से वे प्रसन्न होकर अपने भक्तों को मनचाहा वरदान देते हैं। शिवरात्रि का महोत्सव एक दिवस पूर्व ही प्रारंभ हो जाता है। भगवान शिव के मंदिरों में रात्रि भर पूजा–अर्चना की जाती है। भक्त रात्रिभर जागरण करते हैं एवं सूर्योदय के समय पवित्र स्थलों पर स्नान करते हैं। नदी तटों

विशेष कर गंगा के तटों पर भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ती है। स्नान के पश्चात भगवान शिव के मंदिरों में पूजा–अर्चना की जाती है। भक्त शिवलिंग की परिक्रमा करते हैं। तत्पश्चात भगवान शिव का अभिषेक किया जाता है। शिवलिंग का जलाभिषेक अथवा दुग्धाभिषेक भी किया जाता है। शिवलिंग पर जल से जो अभिषेक जाता है, उसे जलाभिषेक कहा जाता है। इसी प्रकार शिवलिंग पर दुग्ध से जो अभिषेक किया जाता है, उसे दुग्धाभिषेक कहा जाता है। मधु से भी शिवलिंग का अभिषेक किया जाता है। इसके अतिरिक्त शिवलिंग पर सिंदूर लगाया जाता है एवं सुगंधित धूप जलाई जाती है। दीपक भी जलाया जाता है। उस पर फल, अन्न एवं धन चढ़ाया जाता है। उस पर बेल पत्र एवं पान के पत्ते चढ़ाए जाते हैं। इनके अतिरिक्त वे वस्तुएं भी भगवान शिव को चढ़ाई जाती हैं, जो उन्हें प्रिय हैं। इनमें धतूरा एवं धतूरे के पुष्प सम्मिलित हैं। मुक्तिदायिनी गंगा के जल का भी विशेष महत्व है, क्योंकि गंगा देवलोक से सीधी भगवान शिव की जटा पर ही उतरी थी। इसके पश्चात ही वह पृथ्वी लोक में उतरी एवं प्रवाहित हुई। इसलिए सभी नदियों में गंगा का स्थान सर्वोपरि माना जाता है। भक्तजन महाशिवरात्रि के दिन उपवास भी रखते हैं। कुछ लोग निर्जल रहकर भी उपवास करते हैं। उपवास से तन एवं मन दोनों ही शुद्ध होते हैं। शुद्ध मन में ही तो भगवान वास करते हैं। कई स्थानों पर भगवान शिव की बारात भी निकाली जाती है। इसमें कलाकार शिव एवं पार्वती का रूप धारण करते हैं। बारात में सम्मलित लोग शरीर पर भस्म लगाए हुए होते हैं। वे नाचते गाते हुए शिव एवं पार्वती के रथ के पीछे चल रहे होते हैं। भक्तजन इसमें भाग लेते हैं।

महिलाओं के लिए विशेष है शिवरात्रि

शिवरात्रि का महिलाओं के लिए विशेष महत्व है। विवाहित महिलाएं व्रत रखकर अपने पति की दीर्घायु एवं सुखी जीवन के लिए प्रार्थना करती हैं, जबकि अविवाहित युवतियां भगवान शिव से अपने लिए सुयोग्य वर मांगती हैं। भगवान शिव को आदर्श पति के रूप में माना जाता है। इसलिए युवतियां सुयोग्य वर के लिए सोलह सोमवार का व्रत भी करती हैं। मान्यता है कि सोलह सोमवार का व्रत करने से सुयोग्य वर की प्राप्ति होती है।

भगवान शिव के बारह ज्योतिर्लिंग

महाशिवरात्रि पर ज्योतिर्लिंग पर विशेष पूजा–अर्चना की जाती है। भगवान शिव के बारह ज्योतिर्लिंग हैं अर्थात प्रकाश के लिंग हैं। ये स्वयम्भू के रूप में जाने जाते हैं, जिसका अर्थ है स्वयं उत्पन्न। ये बारह स्थानों पर ज्योतिर्लिंग स्थापित हैं। इनमें उत्तराखंड में हिमालय का दुर्गम केदारनाथ ज्योतिर्लिंग, उत्तर प्रदेश के ही काशी विश्वनाथ मंदिर में स्थापित विश्वनाथ ज्योतिर्लिंग, बिहार के बैद्यनाथ धाम में स्थापित शिवलिंग, गुजरात के काठियावाड़ में स्थापित सोमनाथ शिवलिंग, मध्यप्रदेश के उज्जैन के अवंति नगर में स्थापित महाकालेश्वर शिवलिंग, मध्यप्रदेश के ही ओंकारेश्वर में नर्मदा तट पर स्थापित ममलेश्वर ज्योतिर्लिंग, गुजरात के द्वारकाधाम के निकट स्थापित नागेश्वर ज्योतिर्लिंग, महाराष्ट्र की भीमा नदी के किनारे स्थापित भीमशंकर ज्योतिर्लिंग, महाराष्ट्र के नासिक के समीप त्र्यंम्बकेश्वर में स्थापित ज्योतिर्लिंग, महाराष्ट्र के ही औरंगाबाद जिले में एलोरा गुफा के समीप वेसल गांव में स्थापित घुमेश्वर ज्योतिर्लिंग, चेन्नई में कृष्णा नदी के किनारे पर्वत पर स्थापित श्री शैल मल्लिकार्जुन शिवलिंग एवं चेन्नई में ही रामेश्वरम् त्रिचनापल्ली समुद्र तट पर भगवान श्रीराम द्वारा स्थापित रामेश्वरम ज्योतिर्लिंग सम्मिलित हैं। शिवरात्रि एवं महाशिवरात्रि आर यहां भक्तजनों का तांता लग जाता है। वे ज्योतिर्लिंग के दर्शन करके आध्यात्मिक लाभ अर्थात पुण्य प्राप्त करते हैं।

पुराणों के अनुसार आध्यात्मिक जीवन की पूर्णता प्राप्त करने के लिए भगवान शिव के इन बारह ज्योतिर्लिंग के दर्शन करने अति आवश्यक हैं। मान्यता है कि इन सभी बारह स्थानों पर भगवान शिव ने स्वयं प्रकट होकर दर्शन दिए थे। इसीलिए यहां ये ज्योतिर्लिंग उत्पन्न हुए हैं।

भारत के अतिरिक्त उन देशों में भी शिवरात्रि का पर्व हर्षोल्लास से मनाया जाता है, जहां हिन्दू लोग निवास करते हैं। भगवान शिव मोक्षदायिनी माने जाते हैं। इसलिए यह त्योहार भी मनुष्य को पुण्य कर्मों के माध्यम से मोक्ष प्राप्ति के लिए प्रेरित करता है।

कार्यकर्ताओं से 'अब की बार...400 पार...'

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 'भारत मंडपम', नई दिल्ली में आयोजित दो दिवसीय भाजपा राष्ट्रीय अधिवेशन के अंतिम दिन 18 फरवरी, 2024 को समापन उद्बोधन देते हुए कहा कि आज जब मैं बीते 10 वर्षों पर नजर डालता हूं, तो कितना ही कुछ याद आता है। ये 10 वर्ष साहसिक फैसलों, दूरगामी निर्णयों के नाम रहे। जो काम सदियों से लटके थे... हमने उनका समाधान करने का साहस करके दिखाया है। अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण करके हमने 5 सदियों का इंतजार खत्म किया है। 7 दशक बाद हमने करतारपुर साहब राहदारी खोली। 7 दशक के इंतज़ार के बाद देश को आर्टिकल–370 से मुक्ति मिली। 4 दशक बाद आखिरकार, 'वन रैंक–वन पेंशन' की मांग पूरी हुई। 3 दशक बाद आखिरकार, देश को नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति मिली। 3 दशक बाद आखिरकार, लोकसभा और विधानसभा में महिलाओं को आरक्षण मिला। तीन तलाक की बुराई के विरुद्ध कड़ा कानून बनाने का साहस भी हमने ही दिखाया।

हम यहां श्री मोदी द्वारा प्रस्तुत समापन उद्बोधन के प्रमुख अंश प्रकाशित कर रहे हैं:

राष्ट्रीय अधिवेशन में यहां उपस्थित और देश के कोने–कोने से जुड़े प्रत्येक भाजपा कार्यकर्ता का मैं अभिनंदन करता हूं। भाजपा का कार्यकर्ता, साल के हर दिन, चौबीसों घंटे देश की सेवा के लिए कुछ न कुछ करता ही रहता है, लेकिन अब अगले 100 दिन, नई ऊर्जा, नया उमंग, नया उत्साह नया विश्वास, नए जोश के साथ काम करने का है। आज 18 फरवरी है, इस कालखंड में जो युवा 18 वर्ष के पड़ाव पर पहुंचे हैं वो देश की 18वीं लोकसभा का चुनाव करने वाले हैं। अगले 100 दिन हम सबको जुट जाना है, हर नए वोटर तक पहुंचना है, हर लाभार्थी तक पहुंचना है, हर वर्ग, हर समाज, हर पंथ परंपरा सब लोगों के पास पहुंचना है, हमें सबका विश्वास हासिल करना है और जब सबका प्रयास होगा तो देश की सेवा के लिए सबसे ज्यादा सीटें भी भाजपा को ही मिलेंगी।

प्रधानमंत्री जी का समापन उद्बोधन

विकसित भारत का निर्माण

श्री मोदी ने कहा कि आज भाजपा, युवा–शक्ति, नारी–शक्ति, गरीब और किसान–शक्ति को 'विकसित भारत' के निर्माण की शक्ति बना रही है। पहले लोगों को लगता था कि सरकारें बदलती हैं, व्यवस्था नहीं बदलती। हमने सच्चे अर्थ में सामाजिक न्याय की भावना से हर व्यवस्था को पुरानी सोच, पुरानी अप्रोच से बाहर निकाला। जिनको किसी ने नहीं पूछा, हमने उन्हें पूछा है, इतना ही नहीं हमने उनको पूजा है। आदिवासियों में भी सबसे पिछड़ी जनजातियों को पहले किसी ने नहीं पूछा। हमने उनके लिए 'पीएम जनमन' योजना बनाई। लाखों विश्वकर्मा परिवारों को किसी ने नहीं पूछा। हमने उनके लिए पीएम विश्वकर्मा योजना बनाई। रेहड़ी–ठेले–फुटपाथ पर काम करने वाले लाखों साथियों के बारे में किसी ने नहीं सोचा। हमने उनके लिए पीएम स्वनिधि योजना बनाई।

नारी सम्मान हमारे लिए सर्वोपरि

श्री मोदी ने कहा कि पहले की सरकारों ने महिलाओं के हितों की, उनके जीवन में आ रही परेशानियों की भी कभी चिंता नहीं की। हमारे यहां बेटियों को गर्भ में ही मार डालने की कितनी विराट समस्या थी। हमने इसके लिए हमने सामाजिक चेतना और कड़े कानून, दोनों का सहारा लिया। पहली बार देश में 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' जैसा एक जनआंदोलन चला, जिसका एक बहुत ही सार्थक प्रभाव हुआ। हमने बालिकाओं के, महिलाओं के पोषण पर विशेष बल दिया। गर्भ के समय महिलाओं को उचित पोषण मिले, इसके लिए मातृवंदना योजना के तहत सवा 3 करोड़ से अधिक बहनों को सीधी मदद दी। हमने सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत लगभग 5 करोड़ गर्भवती महिलाओं का हेल्थ चेकअप किया। प्रयास यही था कि माता और शिशु, दोनों के जीवन पर पहले जो खतरे रहते थे, उन्हें कम किया जा सके। 2014 से पहले महिला सुरक्षा को लेकर कितनी चिंताएं होती थीं। हर कोई चिंतित रहता था। हमने रेप जैसे संगीन अपराधों में फांसी की सज़ा सुनिश्चित की। ऐसे मामलों का तेज़ी से निपटारा हो इसके लिए भी विशेष व्यवस्थाएं बनाईं।

मैं देश का पहला प्रधानमंत्री हूं जिसने शौचालय जैसे विषय को लाल किले से उठाया। मैं देश का पहला प्रधानमंत्री हूं जिसने महिलाओं के खिलाफ अपशब्दों पर लाल किले से नाराजगी व्यक्त की थी। 'नारी गरिमा, नारी सम्मान' हमारे लिए सर्वोपरि है। मुझे गर्व है कि बीते 10 वर्षों में भाजपा सरकार ने महिलाओं का जीवन आसान बनाने के लिए अनेक कदम उठाए हैं। हमने 10 करोड़ उज्ज्वला गैस कनेक्शन दिया। हमने 4 करोड़ घर बनाए, जिनमें से 3 करोड़ से ज्यादा घर महिलाओं के नाम रजिस्टर में है। हमने महिलाओं के नाम 3 करोड़ ज्यादा घर रजिस्टर करवाकर उनको घर का मालकिन बनवाया। हमने 10 करोड़ परिवारों की बहनों को पहली बार नल से जल दिया। हमने 12 करोड़ परिवारों की बहनों को टॉयलेट दिया। ये चारदीवारी नहीं 'इज्जत घर' है। हमने 1 रुपया में सुविधा सेनिटेरी पैड्स की योजना शुरु की। हमने 25 करोड़ से ज्यादा महिलाओं के बैंक अकाउंट खोले। हमने 30 करोड़ से अधिक मुद्रा लोन, महिला लाभार्थियों को दिए।

बहनों को आर्थिक रूप से सशक्त करने के लिए, बेटियों को नौकरी करने में आसानी हो, इसके लिए भी हमने अनेक कदम उठाए हैं। हमने सेल्फ हेल्प ग्रुप्स से 10 करोड़ बहनों को जोड़ा। हमने 1 करोड़ बहनों को लखपति दीदी बनाया। खादी को जो फिर से नया जीवन मिला है, उसका फायदा भी सबसे अधिक गांव की बहनों को ही हुआ है। हमने प्रेग्नेंसी लीव को बढ़ाकर 26 हफ्ते किया। पहले फैक्ट्रियों में या दूसरी जगहों पर महिलाओं को नाइट शिफ्ट में काम करने के लिए अनेक अड़चनें थीं। हमने श्रम कानूनों में सुधार करके, इनको भी दूर किया। हमने पैरामिलिट्री फोर्स में महिलाओं की भर्ती दोगुने से अधिक की। हमने सेनाओं के अग्रणी मोर्चों में महिलाओं की तैनाती को सुनिश्चित किया। हमने सैनिक स्कूलों और मिलिट्री अकेडेमी के दरवाज़े बेटियों के लिए खोल दिए।

'मिशन शक्ति' से देश में नारीशक्ति की सुरक्षा और सशक्तीकरण का संपूर्ण इकोसिस्टम बनेगा। अब 15 हजार महिला सेल्फ हेल्प ग्रुप को ड्रोन मिलेंगे। ड्रोन दीदी खेती में वैज्ञानिकता और आधुनिकता लाएगी। अब देश में 3 करोड़ महिलाएं लखपति दीदी बनाई जाएंगी। पीएम विश्वकर्मा योजना से परंपरागत कला और शिल्प से जुड़ी बहनें सशक्त होंगी। नई नेशनल एजुकेशन पॉलिसी से बेटियों को शिक्षा और स्किल के मामले में सबसे अधिक फायदा होगा। गांव के पास ही बेहतर स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर बनने से बेटियां स्पोर्ट्स में कमाल करेंगी।

साहसिक फेसलें

श्री मोदी ने कहा कि आज जब मैं बीते 10 वर्षों पर नजर डालता हूं, तो कितना ही कुछ याद आता है। ये 10 वर्ष साहसिक फैसलों, दूरगामी निर्णयों के नाम रहे। जो काम सदियों से लटके थे... हमने उनका समाधान करने का साहस करके दिखाया है। अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण करके हमने 5 सदियों का इंतजार खत्म किया है। गुजरात के पावागढ़ में भी 500 साल बाद धर्मध्वजा फहराई गई है। 7 दशक बाद हमने करतारपुर साहब राहदारी खोली। 7 दशक के इंतज़ार के बाद देश को आर्टिकल–370 से मुक्ति मिली। लगभग 6 दशक बाद राजपथ, कर्तव्य पथ के नए स्वरूप में सामने आया। 4 दशक बाद आखिरकार, 'वन रैंक–वन पेंशन' की मांग पूरी हुई। 3 दशक बाद आखिरकार, देश को नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति मिली। 3 दशक बाद आखिरकार, लोकसभा और विधानसभा में महिलाओं को आरक्षण मिला। तीन तलाक की बुराई के विरुद्ध कड़ा कानून बनाने का साहस भी हमने ही दिखाया।

कोई भी देश हो, वो अपना भविष्य तभी संवार सकता है, जब वो अपने इतिहास को सहेजकर रखता है। बीते वर्षों में भारत ने अपने इतिहास को सहेजा भी है, संवारा भी है। हमने 'नेशनल वॉर मेमोरियल' का निर्माण किया। हमने राष्ट्रीय पुलिस स्मारक बनाई। हमने अंडमान में नेताजी सुभाष और परमवीर चक्र विजेताओं के नाम पर द्वीपों का नामकरण किया। हमने दांडी में नमक सत्याग्रह स्मारक का निर्माण किया। हमने बाबा साहेब आंबेडकर से जुड़े पंचतीर्थ को विकसित किया। हमने रांची में भगवान बिरसा मुंडा की स्मृति में म्यूजियम बनवाया। सरदार पटेल को समर्पित स्टैच्यू ऑफ यूनिटी, हमारे कार्यकाल में बनी। 31 अक्टूबर को राष्ट्रीय एकता दिवस हमारी सरकार ने घोषित किया। 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में घोषित करने का अवसर हमें मिला। 14 अगस्त को 'विभाजन विभीषिका दिवस' के रूप में याद करने का निर्णय हमारी सरकार ने लिया।

> **बीते वर्षों में भारत ने अपने इतिहास को सहेजा भी है, संवारा भी है। हमने 'नेशनल वहर मेमोरियल' का निर्माण किया। हमने राष्ट्रीय पुलिस स्मारक बनाई। हमने अंडमान में नेताजी सुभाष और परमवीर चक्र विजेताओं के नाम पर द्वीपों का नामकरण किया।**

झूठे वादे करने में विपक्ष का कोई जवाब नहीं

श्री मोदी ने कहा कि विपक्ष के हमारे दल भले ही योजनाओं को पूरा करना न जानते हों, लेकिन झूठे वादे करने में इनका कोई जवाब नहीं रहा है। बावजूद इसके आज एक वायदा करने से ये सारे राजनीतिक दल घबराते हैं। एक भी राजनीतिक दल के मुंह से नहीं सुना होगा आपने, जो वादा हम कर रहे हैं उसका जिक्र भी करने का सामर्थ्य उनके पास नहीं है। वो वायदा हैकृ'विकसित भारत' का। इन लोगों ने स्वीकार कर लिया है कि ये लोग भारत को विकसित नहीं बना सकते। सिर्फ और सिर्फ भाजपा ही ऐसी पार्टी है, जिसने इसका सपना देखा है। हम मिशन मोड पर भारत को 2047 तक, देश जब आजादी का

100 साल मनाएगा, हम भारत को विकसित देश बनाने के लिए काम कर रहे हैं। हमने तीसरे टर्म में भारत को दुनिया की तीसरी बड़ी आर्थिक ताकत बनाने का संकल्प लिया है। ये मोदी की गारंटी है और जब मैं भारत को तीसरी आर्थिक ताकत बनाने की बात करता हूं...तो उसका मतलब भी बहुत गहरा है। इसका मतलब है, भारत के आर्थिक, सामरिक और सांस्कृतिक सामर्थ्य का कई गुना विस्तार। चहुं दिशा में विस्तार।

नॉर्थ–ईस्ट का विकास

श्री मोदी ने कहा कि हर क्षेत्र के विकास पर हमारा पूरा फोकस है। नॉर्थ ईस्ट का उदाहरण आपके सामने है। पहले की सरकारों में नॉर्थ ईस्ट को पूरी तरह अनदेखा कर दिया गया था। क्योंकि पार्लियामेंट की सीटें कम है, उनका इंटरेस्ट ही नहीं था। हम वोट और सीटों के हिसाब से काम नहीं करते हमारे लिए देश का हर कोना समृद्ध हो विकसित हो यही हमारा भाव है। आज चाहे सियाचिन हो, या फिर देश के आकांक्षी जिले हों, कोई हमसे दूर नहीं है। वो गांव, जिन्हें पहले आखिरी गांव कहा जाता था, हमारे लिए देश के पहले गांव बन गए हैं। मेरे सारे कैबिनेट के मंत्री उन गांवों में रात बिता कर आए, कुछ को तो माइनस 15 डिग्री में रुकना पड़ा, क्योंकि आत्मसात करना चाहते हैं। हमारे लिए देश का हर हिस्सा महत्वपूर्ण है, हर हिस्से पर हमारा फोकस है। हमारी कैबिनेट में रिकॉर्ड संख्या में नॉर्थ–ईस्ट के मंत्री हैं। नागालैंड से पहली महिला सांसद राज्यसभा में सांसद बनी हैं। हमें गर्व है कि हमने पहली बार त्रिपुरा के मंत्री को काउंसिल ऑफ मिनिस्टर्स में शामिल किया। पहली बार हमारी सरकार में अरुणाचल प्रदेश को कैबिनेट मिनिस्टर मिला। पहली बार, गुर्जर मुस्लिम को राज्यसभा के लिए नॉमिनेट किया गया। हमारी सरकार में ही, गोवा से एक कैबिनेट मंत्री बनाया गया। हमें गर्व है कि हम भाजपा की एक ऐसी संस्कृति का हिस्सा हैं, जहां मंत्रालय में रिकॉर्ड ओबीसी प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया जाता है।

सबका साथ, सबका विकास

श्री मोदी ने कहा कि हमारी सरकार सबके लिए है। 'सबका साथ, सबका विकास' हमारे काम से ही झलकता है। हमें गर्व होता है जब करतारपुर साहिब कॉरिडोर के द्वारा लाखों सिख श्रद्धालुओं की आध्यात्मिक इच्छाएं पूरी होती हैं। आप कल्पना कीजिए 70 साल तक भारत की सीमा रहकर सिख अनुयायी दूरबीन से करतारपुर साहिब के दर्शन करते थे। हमने स्थिति बदली है। हमने लंगर की वस्तुओं से जीएसटी भी हटाया। हमने स्वर्ण मंदिर के लिए एफसीआरए रजिस्ट्रेशन सुनिश्चित किया, जिससे विदेशियों को सेवा करने का अवसर मिला। पहली बार 'वीर बाल दिवस' मनाकर हमने सत्य और न्याय के लिए बलिदान देने वाले साहेबजादों के शौर्य को सम्मान दिया। आज केरल का बच्चा भी जानता है कि साहिबजादे का बलिदान कैसा था। नागालैंड का बच्चा भी जानता है कि साहिबजादों ने कितना बड़ा बलिदान दिया था। अफगानिस्तान से गुरुग्रंथ साहब के स्वरूपों को पूरे सम्मान से वापस लाए। इसके साथ ही, हमारी सरकार ने हज की प्रक्रिया में सुधार करके यात्रा को सुविधाजनक बनाया। आज बिना मेहरम के हज करना भी संभव हुआ है। इससे महिलाओं के लिए भी हज करना आसान हो गया है और हजारों महिलाएं गई।

भारत की ताकत बढ़ रही है

श्री मोदी ने कहा कि 2014 में जब मैंने शपथ ली, तो हमारे कई आलोचक कहते थे, मोदी जी एक राज्य के बाहर उनका क्या अनुभव है, इतना बड़ा देश, इतनी बड़ी दुनिया... मोदी क्या करेगा, लेकिन वो सब देख लें... विदेश नीति को लेकर बड़ी–बड़ी बातें कही जाती थीं। मैं कुछ दिनों पहले ही यूएई और कतर से वापस आया हूं। तमाम देशों से हमारे रिश्ते कैसे मजबूत हुए हैं, ये आज दुनिया देख रही है। आज पश्चिमी एशिया के देशों से हमारे संबंध अब तक की सबसे मजबूत स्थिति में हैं। 2015 में जब मैं यूएई गया था, आप हैरान हो जाएंगे, मेरे से पहले उसके 34 साल पहले तक कोई भी पीएम वहां नहीं पहुंचा था। सोचिए कि किस तरह हमने उस पूरे क्षेत्र को छोड़ रखा था। कांग्रेस की सरकारें, पूरे वेस्ट एशिया को सिर्फ पाकिस्तान के संदर्भ में देखा करती थीं। उन्हें भारतीयों की शक्ति और उनके विश्वास पर भरोसा ही नहीं था। लेकिन आज भारत इस क्षेत्र से संबंधों का नया अध्याय लिख रहा है। पहले लोग सोचते थे कि बस तेल का इंपोर्ट कर लेते हैं और यहां से सस्ते लेबर भेज देते हैं। ताकि उनको रोजी रोटी मिल जाए, लेकिन अब ऐसा नहीं है। आज ट्रेड, टेक्नॉलजी, टूरिज्म और ऐसे अनेक क्षेत्रों में हमारे संबंध बेहतर हो रहे हैं और हम निरंतर विकास कर रहे हैं। यहां तक कि अरब के 5 देशों ने मुझे अपना सर्वोच्च सम्मान तक दिया है। ये सम्मान मोदी का नहीं, 140 करोड़ भारतीयों के सामर्थ्य का सम्मान है। विदेश नीति के जो भी जानकार हैं, वो विदेश से मिल रहे संकेत भी पकड़ रहे होंगे। आज

अलग–अलग देशों में सत्ता और विपक्ष के दल ये खुलकर मानते हैं कि भारत के सशक्त होने से पूरी दुनिया का हित होने वाला है। ये पूरी दुनिया मानने लगी है। आज हर महाद्वीप में भारत का सम्मान, भारत की ताकत बढ़ रही है। हर देश भारत से गहरे संबंध बनाने पर जोर दे रहा है।

कांग्रेस– अस्थिरता की जननी

श्री मोदी ने कहा कि कांग्रेस से देश को बचाना, देश के हर नागरिक को बचाना, भाजपा के हर प्रत्येक कार्यकर्ता का दायित्व है। कांग्रेस का ट्रैक रिकॉर्ड हम सभी के सामने है। कांग्रेस, अस्थिरता की जननी है। कांग्रेस...परिवारवाद की जननी है। कांग्रेस...भ्रष्टाचार की जननी है और कांग्रेस, तुष्टीकरण की भी जननी है। 70 के दशक में जब देश में कांग्रेस के विरुद्ध गुस्सा बढ़ना शुरु हुआ, तो खुद को बचाने के लिए इसने अस्थिरता का सहारा लिया। हर नेता की सरकार, कांग्रेस ने अस्थिर की। आज यहां प्रस्ताव के समय इसकी चर्चा आई है, मैं ज्यादा उसके लिए कहता नहीं हूं। आज भी ये लोग अस्थिरता पैदा करने के लिए नई–नई साजिशें कर रहे हैं। इन लोगों ने मिलकर जो गठबंधन बनाया है, उसकी भी यही पहचान है। कांग्रेस के पास विकास का एजेंडा नहीं है, फ्यूचर का रोडमैप नहीं है। ये देश को कभी भाषा के आधार पर, तो कभी क्षेत्र के आधार पर बांटने में जुटे हुए हैं।

कांग्रेस का एक सबसे बड़ा पाप ये रहा है कि वो देश की सेनाओं का मनोबल तोड़ने से भी पीछे नहीं रही है। भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा और सामरिक शक्ति को नुकसान पहुंचाने में कांग्रेस ने कोई कसर नहीं छोड़ी है। इन लोगों ने हर कोशिश की कि हमारी वायुसेना को राफेल जैसे एडवांस एयरक्राफ्ट न मिल पाएं। इन्होंने अपप्रचार किया कि हिंदुस्तान एरोनॉटिकल लिमिटेड को खत्म किया जा रहा है। ये लोग तो एचएएल के बाहर, फोटो तक खिंचाने चले गए, लेकिन देखिए कि एचएएल आज कैसे धूमधाम से आगे बढ़ रहा है। आज देखिए कितने सारे ऑर्डर उनके यहां बुक किए गए हैं। देखिए कि उसकी मार्केट वैल्यू कितना बढ़ गया है। ये वही लोग हैं, जिन्होंने हमारी सेनाओं के सर्जिकल स्ट्राइक करने पर उनके पराक्रम पर सवाल खड़ा कर दिया। जब एयरस्ट्राइक हुई तो उसकी सफलता के प्रमाण मांगे जाने लगे। कांग्रेस, भारतीय सेनाओं के अपमान का कोई मौका नहीं छोड़ती।

हर लाभार्थी तक पहुंचना है

श्री मोदी ने कहा कि लाल किले से मैंने कहा थाकृयही समय है, सही समय है। भारत के इतिहास में आज वो समय आ गया है, जब हमें अपने देश का भाग्य बदल देना है। मैंने देशवासियों को लाल किले से कहा था कि अगर आप 10 घंटे काम करेंगे, तो मोदी 11 घंटे काम करेगा, अगर आप 12 घंटे काम करेंगे तो मैं 13 घंटे काम करूंगा, अगर आप 14 घंटा काम करेंगे तो मैं 15 घंटे काम करूंगा। मेरे साथियों, देशभर के मेरे कार्यकर्ताओं, देश उज्ज्वल भविष्य की आशा लगाए लोगों से मैं कहना चाहूंगा। आने वाले 100 दिनों तक भाजपा के हर कार्यकर्ता को अपने लिए नए लक्ष्य बनाने होंगे, उन्हें प्राप्त करना होगा। बीते वर्षों में भाजपा सरकार की योजनाओं का लाभ करोड़ों लाभार्थियों को मिला है। आपको हर लाभार्थी तक पहुंचना है। मेरी एक व्यक्तिगत प्रार्थना है, करोगे। हर लाभार्थी के पास जाइए, उनको कहना कि प्रधानसेवक नरेन्द्र मोदी ने उन्हें प्रणाम कहा है और इसमें आपको 'नमो एप' से भी बड़ी मदद मिलेगी। आप 'नमो एप' के जरिए मेरा प्रणाम और मेरी चिट्ठी उन लाभार्थी तक जरूर पहुंचाएं। किसी भी बूथ में एक भी फर्स्ट टाइम वोटर ऐसा न हो, जिस तक भाजपा का कार्यकर्ता पहुंचा न हो। आपको उन्हें पिछले 10 वर्षों के काम और आने वाले 5 वर्षों के प्लान के बारे में बताना है। आपको उन्हें 'नमो एप' पर विकसित भारत का ब्रांड एंबेसेडर बनाना है। मतदान के दिन, इन सभी मतदाताओं को बूथ पर लाकर हमें 'कमल निशान' पर मतदान करवाना है। जहां एनडीए के साथी हों उनके निशान पर मतदान करवाना है। आपको याद रखना है, हमें सिर्फ सरकार बनाने के लिए ही लोगों को नहीं जोड़ना, बल्कि देश बनाने के लिए भी लोगों को जोड़ना है। जो किसी भी कारण से अभी भी भाजपा से दूर है, उन तक हमें पहुंचना है। **'सबका साथ–सबका विकास'** ही हमारा मंत्र है। हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने जो सपने देखे थे, अब उन्हें पूरा करने का समय आ गया है और इसके लिए भाजपा जरूरी है, भाजपा सरकार जरूरी है।

उन्होंने कहा कि आज देश की जनता कह रही है...

भ्रष्टाचार पर सख्त कार्रवाई होती रहे...इसलिए भाजपा जरूरी है–

- महंगाई पर लगाम लगी रहे...इसलिए भाजपा जरूरी है
- देश के दुश्मनों में डर बना रहे...इसलिए भाजपा जरूरी है
- निवेश और नौकरी के अवसर बढ़ते रहें...इसलिए भाजपा ज़रूरी है।
- भारत तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक ताकत बने...इसलिए भाजपा ज़रूरी है।
- भारत में तेजी से आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण हो... इसलिए भाजपा ज़रूरी है।
- 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान सफल हो...इसलिए भाजपा ज़रूरी है।
- करोड़ों भारतीयों को मुफ्त राशन मिलता रहे...इसलिए भाजपा जरूरी है
- किसानों को सम्मान निधि मिलती रहे...इसलिए भाजपा जरूरी है

शत–प्रतिशत लाभार्थी तक तेज़ी से हर लाभ पहुंचे...इसलिए भाजपा ज़रूरी है।

श्री मोदी ने कहा कि आप यहां से एक नए संकल्प के साथ अपने क्षेत्र में जाएं। अबकी बार...400 पार...इस मिशन पर हमें जुट जाना है।

उत्तर प्रदेश विधान परिषद चुनाव

विधान परिषद के द्विवार्षिक चुनाव में राजग गठबंधन के प्रत्याशियों ने सोमवार को मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री भूपेन्द्र सिंह चौधरी, उपमुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य, श्री बृजेश पाठक, अपना दल के कार्यकारी अध्यक्ष श्री आशीष पटेल और सुभासपा के अध्यक्ष श्री ओम प्रकाश राजभर और रालोद के प्रदेश अध्यक्ष श्री राम आशीष राय की मौजूदगी में नामांकन पत्र दाखिल किया। विधान परिषद के लिए नामांकन दाखिल करने वालो में भाजपा प्रत्याशी श्री विजय बहादुर पाठक, डॉ. महेन्द्र सिंह, श्री अशोक कटारिया, श्री रामतीर्थ सिंघल, श्री धर्मेन्द्र सिंह व श्री सतोष सिंह ने नामांकन किया। जबकि अपना दल (एस) से श्री आशीष सिंह पटेल, राष्ट्रीय लोकदल के श्री योगेश चौधरी और सुभासपा के प्रत्याशी के रूप में श्री बिच्छेलाल राम ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री श्री सुरेश खन्ना, राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री जे.पी.एस. राठौर, श्री बलदेव औलख, प्रदेश महामंत्री श्री गोविन्द नारायण शुक्ला, प्रदेश मंत्री श्री शिवभूषण सिंह, प्रदेश मीडिया प्रभारी श्री मनीष दीक्षित सहित अन्य पार्टी पदाधिकारी व वरिष्ठ नेता भी मौजूद रहे।

श्रद्धांजलि

दिवंगत आत्माओं को प्रभु अपने चरणों में स्थान दें!

श्री संजीव मिश्रा

श्री संजीव भारद्वाज

विगत दिनों भारतीय जनता पार्टी उ0प्र0 के दो सक्रिय . कार्यकताओं का निधन पार्टी के लिए अपूर्णनीय क्षति है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह, महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह ने गहरा शोक व्यक्त किया। मीडिया पैनलिस्ट श्री संजीव मिश्रा की हृदयाघात से एवं ब्रज क्षेत्र कार्यालय प्रभारी श्री संजीव भारद्वाज की सड़क दुर्घटना में निधन हुआ है। पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी कार्यकर्ताओं ने दोनों आत्माओं की शान्ति के लिए शोकसभा कर प्रभु से आत्माओं की शान्ति एवं इस दुःख को पारिवारीजनों को सहने करने की शक्ति देने के लिए प्रार्थना किया।

लोकार्पण/शिलान्यास
योगी आदित्यनाथ
मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश द्वारा
गरिमामयी उपस्थिति

कलस्टर बैठक

पत्रिका पंजीकरण – RNI-51899/91, शीर्षक कोड: UPHIN16701, डाक पंजीकरण – SSP/LW/NP-117-2022-23
मार्च प्रथम 2024 – प्रेषित डाकघर – R.M.S. चारबाग, लखनऊ – प्रेषण तिथि : 11–13 (प्रथम पाक्षिक)

आत्म निर्भर भारत

भारतीय जनता पार्टी के लिए मुद्रक तथा प्रकाशक प्रो. श्यामनन्दन सिंह द्वारा नूतन ऑफसेट मुद्रण केन्द्र, संस्कृति भवन, राजेन्द्र नगर, लखनऊ से मुद्रित व भाजपा कार्यालय, 7, विधानसभा मार्ग, लखनऊ से प्रकाशित।